




CHOICE OF MILLIONS®
SHERKOTTI
HARDWARE & PAINT TOOLS
www.charminarbrush.com
SANDING TROWEL
9440297101

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ

लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र




CHOICE OF MILLIONS®
SHERKOTTI
HARDWARE & PAINT TOOLS
www.charminarbrush.com
TROWEL
9440297101

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 26 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-236

सीएए लाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जवाब दें...

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार का दोषी पूर्व सांसद भारत में कैसे घुसा ?

बहाउद्दीन बहार और उसकी बेटी को कैसे मिली नागरिकता?

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ भीषण नरसंहार का षडयंत्र रचने वाले भारत विरोधी पूर्व सांसद एकेएम बहाउद्दीन बहार और उसकी बेटी तहसीन बहार भारत में कैसे घुसे? पश्चिम बंगाल के राजरहाट में उसे आलीशान कोठी में रहने की सुविधा कैसे मिली? दोनों बाप-बेटी को भारतीय आधार कार्ड, पासपोर्ट और भारतीय नागरिकता के दस्तावेज कैसे मिल गए? ऐसे कट्टर

इस्लामिक शैतान को भारत में रहने की इजाजत किसने दी? भारत सरकार ने या पश्चिम बंगाल सरकार ने? उसके घुसने से लेकर उसके रहने और उसके भारतीय दस्तावेज हासिल करने तक के घटनाक्रम के बीच भारत की खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं? ये ऐसे गंभीर सवाल हैं, जिसका जवाब सीधे तौर देश के गृह मंत्री अमित शाह को देना चाहिए और इस बारे में

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कानूनन जवाब मांगा जाना चाहिए। इस घटना ने

कोलकाता में बहार को आलीशान सुविधाएं कैसे हासिल हुईं?

भारत के नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) की धजियां उड़ा दी हैं।

अक्टूबर 2021 में दुर्गा पूजा



के दौरान कोमिला के निर्वाचन क्षेत्र-6 में नानुआ दिघी के तट पर हिंदुओं के साथ जघन्य घटना

इस अपराध की दोषी भारत सरकार या प. बंगाल सरकार?

घटी थी। वह बांग्लादेश के इतिहास में सांप्रदायिक हिंसा के सबसे काले अध्यायों में से एक है। दुर्गा पूजा मंडप में हनुमान की

गोद में कुरान की प्रति रखे जाने का कट्टरपंथी मुस्लिमों का कुकृत्य भयंकर रक्तपात में परिणत हुआ था। यह सुनियोजित साजिश के तहत किया गया था और इसका दोष-रोपण हिंदुओं पर कर दिया गया था। इसी बहाने कट्टरपंथी

इस्लामी भीड़ ने हिंदू मंदिरों पर हमला कर दिया, दुर्गा पूजा पंडालों में तोड़फोड़ की, हिंदुओं के घरों में आग लगा दी और

हिंदू महिलाओं और लड़कियों पर हमला किया। कोमिला में, एक इस्कोन भक्त की चरमपंथियों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। हिंदू अल्पसंख्यकों में दहशत इतनी बढ़ गई कि कई जिलों में दुर्गा पूजा अचानक रोक दी गई थी।

इस घटना के पीछे की साजिश का पर्दाफाश तब हुआ, जब सीसीटीवी फुटेज सामने आया।

►10पर

भारत और फिजी ने सात महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए

भारत और फिजी की आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार : मोदी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका, स्थानीय हैदराबाद हाउस में भारत और फिजी के बीच हुए समझौतों के आदान-प्रदान के साक्षी बने। प्रधानमंत्री मोदी और उनके फिजी समकक्ष राबुका के बीच वार्ता के बाद भारत और फिजी ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका प्रधानमंत्री मोदी की बुधवार को एक संयुक्त प्रेस वार्ता हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन को फिजी के लिए खतरा बताते हुए कहा कि हम आपदा प्रतिक्रिया से निपटने में उसकी मदद करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी भले ही महासागरों से बंटे हुए हों, लेकिन हमारी



दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के प्रधानमंत्री के रूप में पहली भारत यात्रा

आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार हैं। इस दौरान फिजी के नेता भी उनके साथ थे। पीएम मोदी ने कहा, 33 वर्षों के बाद, वर्ष 2014 में किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने फिजी का दौरा किया। मुझे बहुत खुशी और गर्व है

कि यह मेरा सौभाग्य था। उस समय, हमने फॉरेन फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड क ो ए ी ॉ प र ेश न (एफआईपीआईसी) का गठन किया था। इस पहल ने न केवल भारत-फिजी संबंधों को बल्कि पूरे प्रशांत क्षेत्र के साथ हमारे संबंधों को भी मजबूत किया। प्रधानमंत्री राबुका की इस

यात्रा के साथ, हम अपने संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ रहे हैं।

भारत और फिजी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिजी के समकक्ष सितिवेनी लिगामामादा राबुका के साथ व्यापक वार्ता के बाद अपने रक्षा संबंधों को विस्तार देने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी भले ही महासागरों की दूरी पर हों, लेकिन हमारी आकांक्षाएं एक ही

►10पर

अमित शाह ने राहुल गांधी की नैतिकता पर उठाए सवाल

तब मनमोहन सरकार का अध्यादेश क्यों फाड़ा था ?

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नैतिकता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अमित शाह ने कहा कि क्या तीन आम चुनाव लगातार हारने के बाद राहुल गांधी की नैतिकता बदल गई है? अमित शाह ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। शाह ने वर्ष 2013 की उस घटना का भी जिक्र किया, जिसमें राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश की प्रति सार्वजनिक स्थल पर फाड़ डाली थी।

अमित शाह ने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार में लाए गए अध्यादेश को राहुल गांधी ने क्यों फाड़ दिया था? अगर उस दिन उनमें नैतिकता थी तो अब क्या हो गया? क्या

अब आपकी नैतिकता कहां विलुप्त हो गई?



कोर्ट के आदेश के अयोग्य घोषित हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने दोषी सांसदों और विधायकों की सदस्यता रद्द करने और उन्हें अयोग्य घोषित करने का फैसला सुनाया था। मनमोहन सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश में अयोग्य घोषित किए गए सांसदों-विधायकों को तीन महीने

का समय दिया गया था, जिसमें वे दोबारा निर्वाचित हो सकते थे, लेकिन राहुल गांधी ने इसे गलत बताते हुए फाड़ दिया था। इससे राहुल गांधी की अपनी ही पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा हो गई थी।

केंद्र सरकार ने हाल ही में मानसून सत्र के दौरान 130वां संविधान संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया। इस विधेयक में 30 दिनों तक जेल में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों को पद से

►10पर

मस्जिद से गाजा के नाम पर मिला चंदा, खा गए सीरियाई

अहमदाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)।



गुजरात पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है। इसमें चार सीरियाई नागरिकों पर आरोप है कि उन्होंने गाजा पीड़ितों के नाम पर चंदा इकट्ठा किया और उस पैसे को अपनी आलीशान जिंदगी पर खर्च किया। पुलिस ने इनमें से दमिश्क के रहने वाले एक आरोपी अली मेहत अल-अजहर को अहमदाबाद के एलिसब्रिज इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया है। उसके पास से 3,600 अमेरिकी डॉलर और 25,000 रुपए नकद बरामद हुए हैं।

बाकी तीन आरोपी जकारिया हैथम अलजार, अहमद अलहबाश और यूसुफ अल-जहर फिलहाल फरार हैं। ये सभी उसी होटल में ठहरे हुए थे। पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिए हैं ताकि वे भारत से भाग न सकें। संयुक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम ब्रांच) शरद सिंघल ने बताया कि जांच जारी है और बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। जांच में सामने आया है कि यह चारों ट्रिस्ट वीजा पर भारत आए थे। वे 22 जुलाई को कोलकाता उतरे और 2 अगस्त को अहमदाबाद पहुंच गए।

►10पर

एसआईआर का नतीजा, पकड़ी गई पाकिस्तानी महिलाएं

बांग्लादेशी ही नहीं, पाकिस्तानी भी हैं बिहार में वोटर

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

जिस वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) को लेकर विपक्ष हंगामा खड़ा कर रहा है। उसी प्रक्रिया के दौरान बिहार के भागलपुर में अवैध रूप से रह रही दो औरतों को पकड़ा गया है। पाकिस्तान की इमराना खानम और फिरदौसिया खानम 1956 से ही भारत में छिपकर रह रही थीं। उनके पास आधार कार्ड भी मिले हैं। दोनों औरतें पाकिस्तान के पासपोर्ट पर साल 1956 में भारत आई थीं। इमराना खानम तीन साल के वीजा और फिरदौसिया तीन महीने के वीजा पर भारत में घुसी थी। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक दोनों ही औरतों ने वीजा को नवीनीकरण कराए बिना भारत में अवैध ढंग से रहना जारी रखा। यह मामला बिहार में



पाकिस्तानियों के वोटर आईडी और आधार कार्ड भी मिले

एसआईआर के तहत मतदाता सूची की जांच में सामने आया। प्रक्रिया में नागरिकता की भी जांच की जा रही है। दोनों पाकिस्तानी औरतों का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल है, जिसे गृह मंत्रालय ने हटाने की

प्रक्रिया शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने 11 अगस्त 2025 को दोनों पाकिस्तानी औरतों के नाम मतदाता सूची से हटाने को लेकर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दे दिए हैं। इसकी जानकारी देते हुए बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) फरजाना खानम ने कहा, मुझे लेटर मिला है, जिसमें इमराना खानम का पाकिस्तानी पासपोर्ट नंबर है। वे काफी उम्रदराज हैं और बीमार रहती हैं। बीएलओ ने कहा, मंत्रालय के निर्देशों के मुताबिक मतदाता सूची से औरतों के नाम हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इमराना खानम का पासपोर्ट 1956 का है। अब इस मामले में विभाग आगे की जांच करेगा। भागलपुर के जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने भी वोटर लिस्ट में

►10पर

अमेरिका के टैरिफ पर बोले रूस में तैनात भारत के राजदूत

भारत को जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहां से खरीदेगा

मॉस्को, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले को रूस में तैनात भारत के राजदूत विनय कुमार ने अनुचित और अन्यायपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राथमिकता 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। लिहाजा, भारतीय कंपनियां तेल वहीं से खरीदेंगी जहां से सबसे बेहतर सौदा मिलेगा, चाहे वह रूस ही क्यों न हो।

अमेरिका ने बीते दिनों भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ (कुल मिलाकर 50 प्रतिशत) लगाने का ऐलान किया था। अमेरिका का यह ऐलान भारत के रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाया गया। इसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते में तनाव भी बना। रूस से तेल खरीदने के निर्णय को



रूस के साथ सहयोग से वैश्विक तेल बाजार में आई स्थिरता

लेकर भारत सरकार ने बड़ी बेबाकी से अपना पक्ष रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तो साफ-साफ कहा कि यूक्रेन से युद्ध के बीच

ही यूरोपीय संघ रूस से तेल खरीद रहा है। उन्होंने विश्व को यह भी बताया कि भारत की तुलना में चीन रूस से अधिक तेल खरीद रहा है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत पर टैरिफ का बोझ थोपना उनकी बौखलाहट का परिचय देने वाला है।

रविवार को एक रूसी समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए

तेल वहीं से खरीदेगा जहां से सबसे अच्छा सौदा मिलेगा। उन्होंने अमेरिकी फैसले को अनुचित, गैरवाजिब और अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि भारत की ऊर्जा नीति का मकसद देश के 1.4 अरब लोगों को ऊर्जा सुरक्षा देना है और रूस जैसे देशों के साथ सहयोग से वैश्विक तेल

►10पर

बांग्लादेशी घुसपैठियों के पक्ष में खुल कर आई कांग्रेस

चट्टेबट्टे लेकर असम पहुंचा कांग्रेसी जत्था

गुवाहाटी, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में पाकिस्तानियों, बांग्लादेशियों और रोहिंया घुसपैठियों के खिलाफ बने माहौल के बीच ही उन तत्वों की भी शिनाख्त हुई जो भारत में रहते हुए भारत विरोधी घुसपैठियों की पैरोकारी कर रहे हैं। इसी दरम्यान बिहार में मतदाता पुनरीक्षण में बड़ी तादाद में घुसपैठियों को वोटर बनाए जाने के कुकृत्य का पर्दाफाश होने के बाद कांग्रेस का असली चेहरा खुल कर सामने आ गया। कांग्रेस के पिछलग्गू दल भी मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के खिलाफ शोर मचा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग के समक्ष तथ्य प्रस्तुत करने से भाग रहे हैं। कांग्रेस सरकार में योजना आयोग की सदस्य रही सैयदा हमीद अपनी भारतीयता



हम इनसे सतर्क हैं और अपना काम कर रहे हैं: सरमा

और सारे संकोच ताक पर रख कर घुसपैठियों के समर्थन में खुल कर मैदान उतर आई हैं। उन्होंने यह भी कह दिया कि अल्लाह ने यह धरती ईसानों के लिए बनाई है। कोई भी धरती पर रह सकता है। यही सैयदा हमीद कश्मीर

में मारे और भगाए जा रहे कश्मीरी पंडितों की त्रासदी पर चुप रहीं। यही सैयदा हमीद बांग्लादेश और पाकिस्तान में मारे जा रहे हिंदुओं के मसले पर चुप रहती हैं। यही सैयदा हमीद बांग्लादेश-पाकिस्तान-अफगानिस्तान में पीड़ित अल्पसंख्यकों के भारत आने का विरोध करता हैं। लेकिन उनके अंदर बांग्लादेशी और रोहिंया घुसपैठियों के प्रति बड़ी हमदर्दी है। इस हमदर्दी ने इतना झोंका मारा कि वे अपने चूड़ेबट्टों के साथ असम पहुंच गईं। वहां भी सैयदा हमीद ने कहा, बांग्लादेशियों को भारत में रहने का पूरा हक है। असम में सैयदा का यह बयान उनके असम दौरे के समय आया जब असम सरकार इन दिनों सरकारी जमीनों से अवैध कब्जा हटाने और बांग्लादेश से

►10पर

[illegible]

साइबर सुरक्षा पुख्ता करने के लिए पेन ड्राइव के इस्तेमाल पर रोक

जम्मू, 25 अगस्त (व्यूरो)।

जम्मू कश्मीर सरकार ने सोमवार को साइबर सुरक्षा चिंताओं और संवेदनशील सरकारी डेटा की सुरक्षा की आवश्यकता का हवाला देते हुए सभी प्रशासनिक विभागों के आधिकारिक उपकरणों में पेन ड्राइव के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी एक परिपत्र, में लिखा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की साइबर सुरक्षा स्थिति को बेहतर बनाने, संवेदनशील सरकारी सूचनाओं की सुरक्षा करने और डेटा उल्लंघनों, मेलवेयर संक्रमणों और अनधिकृत पहुंच के जोखिमों को कम करने के लिए, जम्मू और श्रीनगर के शिविल सचिवालय में सभी प्रशासनिक सरकारी विभागों और सभी जिलों के उपायुक्त कार्यालयों में आधिकारिक उपकरणों पर पेन ड्राइव के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है।



हालांकि, इस आदेश में अपवादों की सीमित गुंजाइश है। इसमें कहा गया है कि असाधारण मामलों में, जहां परिचालन संबंधी जरूरतें उनके उपयोग को उचित ठहराती हैं, संबंधित प्रशासनिक प्रमुख के माध्यम से राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (एसआईओ), एनआईसी को औपचारिक अनुरोध भेजने पर, प्रति विभाग 2-3 पेन ड्राइव तक नियंत्रित श्वेतसूचीकरण की अनुमति दी जा सकती है। परिपत्र में निर्देश दिया

गया है कि ऐसे अनुमोदित उपकरणों को उपयोग से पहले पुनः कान्फिगरेशन, प्राधिकरण और स्वामित्व पंजीकरण के लिए एनआईसी प्रकोष्ठों में जमा किया जाना चाहिए।

एक सुरक्षित विकल्प के रूप में, सरकार ने विभागों का सरकारी वेबसाइट के माध्यम को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जो एक क्लाउड-आधारित, बहु-किरायेदार प्लेटफार्म है जो प्रत्येक सरकारी

अधिकारी को 50 जीबी सुरक्षित संग्रहण प्रदान करता है, जिसमें सभी उपकरणों में केंद्रीकृत पहुंच और समन्वयन शामिल है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आधिकारिक डेटा को साझा करने, संग्रहीत करने या संसाधित करने के लिए व्हाट्सएप जैसे सार्वजनिक मैसेजिंग प्लेटफॉर्म या आईलवपीडीएफ जैसी असुरक्षित सेवाओं के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, और चेतावनी दी है कि सभी संवेदनशील तकनीकी जानकारी केवल सुरक्षित सरकार अनुमोदित चैनलों के माध्यम से ही संभाली जानी चाहिए। परिपत्र में चेतावनी दी गई है कि इन निर्देशों का उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और आधिकारिक आचरण और आईटी उपयोग के प्रासंगिक नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

इसमें कहा गया है कि यह आदेश सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के साथ तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगा।

यूपी में छूटे हुए छह लाख छात्रों को मिलेगी छात्रवृत्ति फिर से खुलेगा पोर्टल, सीएम योगी की सौगात

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

यूपी में छूटे हुए छह लाख छात्रों को छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके लिए पोर्टल फिर से खोला जाएगा। सीएम योगी ने इसकी अनुमति दे दी है। वर्ष 2024-25 में संस्थाओं और अधिकारियों की लापरवाही से इसका लाभ नहीं मिल सका था। उत्तर प्रदेश में छूटे छह लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के साथ शुल्क भरपाई भी होगी। इसके लिए छात्रवृत्ति पोर्टल खोला जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी सहमति दे दी है। भुगतान के लिए अनुपूरक बजट और बचत के मदों (पुनर्विनियोग) से करीब 300 करोड़ रुपए की व्यवस्था की जाएगी।

प्रदेश सरकार ढाई लाख रुपए तक सालाना आय वाले एससी-एसटी छात्रों और दो लाख रुपए तक आय वाले अन्य वर्गों के छात्रों को



छात्रवृत्ति के साथ शुल्क की भरपाई करती है। वर्ष 2024-25 में शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अधिकारियों की लापरवाही से सभी वर्गों के करीब 6 लाख पात्र छात्र योजना का लाभ नहीं पा सके। कहीं लापरवाह अधिकारियों ने डाटा लॉक नहीं किया तो कहीं शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन आवेदन आगे ही नहीं बढ़ाया। इतना ही नहीं अलीगढ़ की राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी के नोडल अधिकारी ने एससी छात्रों का डाटा फॉरवर्ड करने के लिए लॉग इन ही नहीं किया। संस्थानों और विश्वविद्यालय को

फरवरी और मार्च में आवेदन करने वाले एससी छात्रों का डाटा फॉरवर्ड करने के लिए 17-30 अप्रैल तक का समय दिया गया था। संबंधित नोडल अधिकारियों ने डाटा वेरीफाई कर आगे ही नहीं बढ़ाया।

समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव वेंकटेश्वर लू ने बताया कि नए वित्त वर्ष में इन छात्रों को पिछले बकाया के भुगतान के लिए मुख्यमंत्री ने सहमति दे दी है। अब प्रस्ताव कैबिनेट में भेजा जाएगा। कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद इन छात्रों का ऑनलाइन डाटा प्रोसेस करने के लिए समय सारिणी जारी की जाएगी।

जम्मू कश्मीर सीमा पर पाकिस्तान फिर खेलने लगा ड्रोन-ड्रोन

जम्मू, 25 अगस्त (व्यूरो)।

पाकिस्तानी सेना एक बार फिर जम्मू कश्मीर की सीमाओं पर ड्रोन ड्रोन खेलने लगी है। यही कारण था कि जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कई अग्रिम इलाकों में पाकिस्तान से आए लगभग आधा दर्जन ड्रोन मंडराते देखे जाने के बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। जबकि इस बीच सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा में आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया है।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात 9.15 बजे मेंडर सेक्टर के बालाकोट, लंगोटे और गुरसाईं नाले के ऊपर सीमा पार से ड्रोन की गतिविधि देखी गई। उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि निगरानी के लिए छोड़े गए ये ड्रोन बहुत ऊंचाई पर उड़ते देखे गए और पांच मिनट के भीतर ही पाकिस्तान की सीमा में लौट गए। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई और सुबह होते ही उन कई इलाकों में तलाशी शुरू कर दी गई जहां ड्रोन की गतिविधि देखी गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई हथियार या नशीले पदार्थ हवाई मार्ग से न गिराए जा रहे हों।

पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान द्वारा हथियार और नशीले पदार्थ गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है और इसी के अनुरूप, पुलिस ने पिछले साल फरवरी में ड्रोन देखे जाने की सूचना देने वाले को तीन लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी, जिससे गिराई गई सामग्री बरामद हो सके।



इस बीच सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। टीम ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के त्रेहगाम के दरीबल मरहमा इलाके से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। हालांकि इस दौरान आतंकी पहले ही फरार हो चुके थे। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ की यूनिट इंटेलिजेंस सेल (यूआईसी) से मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के बाद सीआरपीएफ की 98वीं बटालियन और जम्मू-कश्मीर पुलिस (पीपी अवोरा) ने संयुक्त रूप से अभियान शुरू किया। इस दौरान दरीबल मरहमा इलाके से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

तलाशी के दौरान एक हथगोला, दस एके-47 राउंड, एक दूरबीन, छह डेटोनेटर और एक पाकिस्तान निर्मित बैकपैक बरामद किया गया है। माना जा रहा है कि आतंकी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, हालांकि उससे पहले ही उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस बरामदगी ने क्षेत्र में संभावित आतंकवादी गतिविधियों को विफल कर दिया है। फिलहाल आगे की जांच जारी है और आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है।

पटना में 2 नाबालिग बच्चों की मौत पर भारी बवाल!

अटल पथ पर नाराज लोगों ने कई गाड़ियों को किया आग के हवाले



पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

पटना के अटल पथ पर सोमवार की शाम भारी बवाल हुआ। पिछले दिनों पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी इलाके में एक गाड़ी में दो बच्चों के शव मिले थे। ट्यूशन के लिए घर से निकले बच्चों की मौत अब तक रहस्य ही है। इससे गुस्सेए लोगों ने सड़क पर उतरकर हंगामा किया। एक वीवीआईपी की गाड़ी

और पुलिस की एस्कॉर्ट गाड़ी को भीड़ ने निशाना बनाया। किसी तरह वो जान बचाकर सभी भागे। वहीं आक्रोशित लोगों ने कई गाड़ियों को आग के भी हवाले कर दिया।

घटना सोमवार शाम की है। रोज की तरह वाहनों का आना-जाना लगा हुआ था। अचानक बड़ी संख्या में लोग अटल पथ पर जुटे और बवाल काटने लगे।

इस दौरान एक वीवीआईपी की गाड़ी पर यह भीड़ टूट पड़ी। कार के शीशे फोड़ दिए। जब कार पर हमला शुरू हुआ तो वीवीआईपी की गाड़ी और उसे एस्कॉर्ट कर रही पुलिस की गाड़ी लेकर ड्राइवर तेजी से भाग निकला। वहीं, कार के नीचे उतरे बांडीगार्ड और अन्य पुलिसकर्मी पैदल ही जान बचाकर भागते रहे। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। अटल पथ पर यातायात बाधित हो गया है। पूरी घटना का वीडियो भी किसी ने मोबाइल में कैद किया जो वायरल हो रहा है।

मौके पर पहुंचे पटना के आईजी जितेंद्र राणा ने बताया कि हंगामा, उपद्रव और पथराव करने वाले कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थिति पुलिस के नियंत्रण में हैं।

केसर के बीज प्रदेश से बाहर जाने पर किसान चिंतित

जम्मू, 25 अगस्त (व्यूरो)।

कश्मीर में केसर के कंदों अर्थात् बीजों के अवैध निर्यात पर अंकुश लगाने और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए, अधिकारियों ने पूरे केसर क्षेत्र में कड़ी निगरानी और दस्तावेजीकरण अभियान शुरू किया है। कृषि विभाग के पंपोर जोन ने इस प्रथा की जांच करने और कंद निकालने व बुवाई का विस्तृत रिकॉर्ड रखने के लिए एक विशेष दल का गठन किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य कंदों की अनधिकृत आवाजाही को रोकना और स्थानीय उत्पादकों के हितों की रक्षा करना है, क्योंकि हाल के वर्षों में अवैध निर्यात एक बढ़ती हुई चिंता का विषय बन गया है। यह दल हर निष्कर्षण का रिकॉर्ड रख रहा है, यह ध्यान रखते हुए कि कंद कहां निकाले



जाते हैं और उन्हें कहां दोबारा लगाया जाता है ताकि इस प्रक्रिया पर नजर रखी जा सके और अवैध निर्यात पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि दर्ज किए जा रहे विवरणों में उत्पादकों के नाम, आधार संख्या, निष्कर्षण के स्रोत और वे खेत शामिल हैं जहां कंद बोए जाते हैं।

अधिकारियों के अनुसार, इस प्रक्रिया और निगरानी से उन्हें यह

सत्यापित करने में मदद मिलेगी कि प्रत्येक किसान कितना बीज निकालता है, दोबारा लगाता है और उसे कहां बोया जाता है। उन्होंने बताया कि यह निगरानी प्रक्रिया पूरे बुवाई के चरम मौसम में जारी रहेगी। पंपोर के कृषि विस्तार अधिकारी इशित्याक अहमद भट ने बताया कि केसर के कंदों की निकासी और बुवाई 15 अगस्त से शुरू हुई, जिसके बाद विभाग ने निगरानी के प्रयास

तेज कर दिए। उनके अनुसार, निर्यात कई वर्षों से चल रहा है और एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हमने पंपोर, सम्बरा, चंदहरा, लेथपोरा, अंद्रोसा, इस्मू और आसपास के इलाकों में जागरूकता अभियान चलाए हैं ताकि लोग निर्देशों का पालन करें और कंदों के निर्यात से बचें। उन्होंने बताया कि कई जगहों पर छापे मारे जा चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप अवैतपोरा में गैर-निवासियों से लगभग 1.5 किंटल कंद जब्त किए गए हैं, जो उन्हें तस्करी के जरिए बाहर ले जाने की कोशिश कर रहे थे।

भट ने कहा कि जागरूकता अभियान और छापे जरूरी हैं। केसर के बीज को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ताकि यह यहीं रहे और स्थानीय स्तर पर बढ़ता रहे। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि

केसर के कंदों का अवैध निर्यात या परिवहन बीज अधिनियम, 1966 और केसर अधिनियम, 2007 के तहत दंडनीय है, जिसमें कारावास, भारी जुर्माना और सामग्री की जब्ती का प्रा-वधान है। इस कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर जुमनि सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, किसानों से विभाग के साथ सहयोग करने और विश्व प्रसिद्ध कश्मीरी केसर के जर्मप्लाज्म की सुरक्षा के अभियान का समर्थन करने का आग्रह किया गया है। दूसरी ओर, अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए, अधिकारियों ने बताया कि एचएडीपी के तहत, निष्कर्षण और बुवाई में लगे किसानों को प्रति कनाल 27,000 रुपए सीधे उनके बैंक खातों में जमा किए जाएंगे।

एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में जुड़ेंगे युवा और छात्र

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में होंगे कार्यक्रम

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

एक राष्ट्र-एक चुनाव के समर्थन के लिए भाजपा उत्तर प्रदेश में युवाओं और छात्रों को जोड़ेगी। इसके लिए विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान के समर्थन के लिए छात्रों और युवाओं को जोड़ेगी। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में रविवार को अभियान को गति प्रदान करने के लिए आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों के संदर्भ में व्यापक विचार-विमर्श करते हुए रणनीति तय की गई। पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान समिति के प्रदेश

के सह संयोजक और एमएलसी अनूप गुप्ता एवं प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह की मौजूदगी में बैठक हुई। इसमें छात्रों व युवाओं को अभियान के साथ जोड़ते हुए सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, कॉलेजों आदि में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है लोकतंत्र को अनावश्यक खर्च, बार-बार होने वाले चुनाव और राजनीतिक अस्थिरता से मुक्त किया जाए। इसके लिए राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ एक राष्ट्र-एक चुनाव आवश्यक है। आर्थिक नीतियों में निरंतरता, व्यापार और रोजगार को गति देने के लिए एक देश-एक चुनाव समय की मांग है। इसके लिए लोकमत तैयार करना

है ताकि इस मुहिम में जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। गांव, गली, शहरों, खेत, खलिहानों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में चर्चा के साथ ही युवाओं को भी जोड़ना है।

प्रदेश टोली के सदस्यों पर अभियान की सफलता का जिम्मेदारी है। अभियान से व्यापारियों को भी जोड़ने के लिए योजना बनाकर काम करना होगा। वहीं, अनूप गुप्ता ने कहा कि अभी तक प्रदेश में जो भी अभियान और कार्यक्रम एक राष्ट्र एक चुनाव के संदर्भ में आयोजित किए गए हैं, उन्हें समाज के हर वर्ग का समर्थन प्राप्त हुआ है। बैठक में स्टूडेंट फॉर वन-नेशन-वन-इलेक्शन के संदर्भ में व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश में राज्य स्तरीय छात्र नेता सम्मेलन

अगस्त माह के आखिरी सप्ताह में राजधानी में करने पर चर्चा हुई। इसी क्रम में क्षेत्रीय स्तर पर भी छात्र नेता सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्रीय छात्र नेता सम्मेलन की प्रस्तावित तिथियों में 2 अथवा 3 सितंबर को काशी व गोरखपुर क्षेत्र का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। वहीं 4 अथवा 5 सितंबर को पश्चिम और ब्रज क्षेत्र में, 6 अथवा 7 सितंबर को कानपुर व अवध क्षेत्र में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा 10 से 30 सितंबर के मध्य यथ सम्मेलन का भी आयोजन एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान के समर्थन में किया जाएगा। यथ सम्मेलन के कार्यक्रम सभी महानगरों में आयोजित किए जाएंगे।

अन्ना भाग्य चावल का अवैध भंडारण, दो पर मामला दर्ज

मेंगलूरु, 25 अगस्त (व्यूरो)।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बंटवाल नगर पुलिस की सहायता से शनिवार को गोल्थामजालु गाँव में पड़ेकोडी के पास एक निजी इमारत पर छापा मारा और सरकार की अन्न भाग्य योजना के लिए चावल का अवैध भंडारण करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोपियों की पहचान गोदाम प्रबंधक उम्मारब्बा उर्फ पुडुमोनु (47) और कर्मचारी रफीक (42)



के रूप में हुई है, दोनों कल्लडका निवासी हैं। छापेमारी के दौरान, अधिकारियों ने लगभग 25 किंटल अन्न भाग्य चावल जब्त किया। इसमें 21.4 किंटल उबले हुए चावल और 4.67 किंटल टूटे हुए चावल शामिल थे, जिन्हें अवैध रूप से संग्रहीत किया गया था। अधिकारियों ने इस गोरखधंधे में इस्तेमाल किए गए तौल उपकरण और चावल ले जाने के लिए लाए गए एक ऑटोरिक्शा को भी जब्त कर लिया।

फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का टीजर 28 को होगा रिलीज



सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अभिनेता वरुण धवन और जाह्नवी कपूर को एक बार फिर साथ देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। वहीं, मेकर्स भी उत्सुकता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का



तुलसी की एंट्री स्क्रिप्ट बदल देगी। टीजर 28 अगस्त गुरुवार को रिलीज होगा। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2

अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फैंस उनकी पोस्ट देखकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं, कमेंट सेक्शन पर वे 'हार्ट' और 'फायर' जैसी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एक यूजर ने कमेंट में लिखा, इंतजार नहीं कर सकते। दूसरे यूजर ने लिखा, सुपर एक्साइटेट, सनी।

एक और यूजर ने लिखा, फाइनली अब हम वरुण को फिर से रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में देख पाएंगे।

अन्य यूजर ने लिखा, आपकी फिल्म को देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

इसी के साथ ही वीडियो को वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा, जाह्नवी कपूर, रोहित श्राफ, मनीष पॉल और करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है।

बता दें, फिल्म की रिलीज डेट पर कई बार बदलाव किए गए हैं। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' ने एक बार फिर वरुण और जान्हवी स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने साल 2023 में आई फिल्म 'बवाल' में साथ काम किया था।

फिल्म में अक्षय, जाह्नवी और वरुण के अलावा अक्षय ओबेरॉय, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल भी अहम किरदार में हैं।

दिलचस्प बात यह है कि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' अब बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा: अ लीजेंड - चैप्टर 1' और 'हवधन राणे की अभिनीत फिल्म 'एक दीवाने

की दीवानियत' से टक्कर लेगी। इस बीच, जान्हवी कपूर भी 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आने वाली 'परम सुंदरी' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। दूसरी ओर, वरुण धवन फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे।

निया शर्मा के दांत तो मोतियों जैसे चमकते हैं! अभिनेत्री ने खोला इसका राज



अदाकारा निया शर्मा अपने बोल्ट लुक्स को लेकर अक्सर सोशल मीडिया में छाई रहती हैं। इनकी खूबसूरती के दीवाने भी कम नहीं हैं। अभिनेत्री की सुंदरता बढ़ाने में उनके मोतियों जैसे दांतों का भी पूरा योगदान है। सोमवार को निया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड कर बताया कि आखिर ये मुमकिन कैसे हुआ?

वीडियो में अभिनेत्री कह रही हैं, आज मैं घरेलू नुस्खे से अपने दांत साफ करने जा रही हूं, जो कि मैंने इंस्टाग्राम से सीखा है। वीडियो में पहले अभिनेत्री ने दांतों पर हल्के दाग दिखाए और फिर कई सामग्रियों, जिनमें बेकिंग सोडा, नमक, नींबू, नारियल तेल, और टूथपेस्ट को मिलाकर तैयार किया है। इस मिश्रण को अभिनेत्री ने अपने दांतों पर लगाया और कुछ मिनट इंतजार करने के बाद ब्रश किया। निया ने अपने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, मेरा जीवन पूरी तरह से घरेलू नुस्खों में बीत रहा है। पहले मैंने अपने दांतों की सफेदी पर ध्यान नहीं दिया था (क्योंकि वे अभी तक सफेद दिखते थे), लेकिन 5000 इंस्टाग्राम वीडियो देखने के बाद मैंने इसे आजमाया है।

प्रशंसकों को निया का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, आपको यूट्यूब चैनल बनाना चाहिए-निया के नुस्खे, दूसरे ने लिखा, ग्रेट हैक, और एक और अन्य यूजर ने लिखा, बेकिंग सोडा एक्सपेरिमेंट।

निया शर्मा हमेशा से ही त्वचा और छोटी-मोटी समस्याओं के लिए घरेलू नुस्खों को आजमाने में रुचि रखती हैं। अभिनेत्री केमिकल युक्त उत्पादों की बजाय प्राकृतिक तरीकों को अपनाने को भी प्राथमिकता देती हैं और इसे लेकर ब्यूटी टिप्स भी देती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें डार्क सर्कल्स को खत्म करने के लिए घरेलू नुस्खा बताया था। वीडियो में अभिनेत्री बेसन समेत कॉफी, चावल का पानी, हल्दी और थोड़ा शहद को सही अनुपात में लेकर एक पेस्ट बनाकर अप्लाई करती हैं। निया ने इस पैक को सिर्फ डार्क सर्कल्स पर ही नहीं बल्कि अपने पूरे चेहरे पर लगाया। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, हर सुबह जब मैं रातभर 5000 स्किनकेयर और डिटॉक्स ड्रिंक की रील्स देखकर उठती हूं (इतना सब करने के लिए जिंदगी में वाकई बहुत फुर्सत चाहिए), फिलहाल तो कॉफी, बेसन, शहद और हल्दी वाला फेस मास्क ही लगा रही हूं!

सलमान खान-माधुरी दीक्षित के गाने पर रानी चटर्जी ने बनाया मिरर वीडियो, फैंस का खींचा ध्यान

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री रानी चटर्जी हमेशा से ही अपनी दमदार अदाकारी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के लिए जानी जाती हैं। चाहे वो फिल्म के सेट से कोई बिहाईड द सीन्स वीडियो हो या फिर उनकी फिटनेस जर्नी की झलकियां... रानी अपने फैंस को हमेशा कुछ नया देने की कोशिश करती हैं। इन दिनों रानी अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान दे रही हैं और जिम में जमकर पसीना बहा रही हैं। सोमवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मिरर वीडियो पोस्ट किया, जिसने एक बार फिर उनके फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इस वीडियो में रानी चटर्जी जिम के अंदर वर्कआउट मैट पर बैठी हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लू कलर की स्पोर्ट्स जैकेट पहन रखी है और बाल खुले छोड़े हैं, जिससे उनका लुक और भी निखर कर सामने आ रहा है। वह कैमरे की ओर देखते हुए मिरर के जरिए वीडियो बना रही हैं और 90 के दशक के बेहद मशहूर गाने 'मुझसे जुदा होकर' पर लिप्सिंग करती दिख रही हैं। वीडियो में रानी का एक्सप्रेशन ऐसा है मानो वह गाने के हर शब्द को महसूस कर रही हो। वीडियो को पोस्ट करते हुए रानी ने कैप्शन में लिखा, लंबे अरसे बाद बनाई मिरर वीडियो। इस वीडियो पर उनके फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट्स में दिल और फायर इमोजी



भेज रहे हैं।

अगर बात करें 'मुझसे जुदा होकर' गाने की तो, यह गाना 1994 में आई सुपरहिट फिल्म 'हम आपके हैं कौन' का है। यह फिल्म बॉलीवुड की सबसे सफल और यादगार पारिवारिक फिल्मों में से एक मानी जाती है। इस गाने को लता मंगेशकर और जाने-माने गायक एस. पी. बालासुब्रमण्यम ने गाया। संगीतकार रामलक्ष्मण ने इसके संगीत की रचना की है और बोल देव कोहली ने लिखे।

फिल्म में इस गाने को सलमान खान और माधुरी दीक्षित पर फिल्माया गया था, जिनकी जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था। फिल्म का निर्देशन सूरज आर. बड़जात्या ने किया था।

अशनूर कौर ने की बिग बॉस 19 में एंट्री, फैंस को कहा शुक्रिया

बिग बॉस 19 का आगाज हो चुका है। इनमें ये 'रिश्ता क्या कहलाता है' की अदाकारा अशनूर कौर भी शामिल हैं। रविवार को उन्होंने बीबी हाउस में प्रवेश किया। इंस्टाग्राम पर अशनूर की एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें वे प्रशंसकों का आभार जता रही हैं।

इस क्लिप में उन्होंने बिग बॉस जाने से पहले की तैयारियों की एक झलक भी दिखाई है। अशनूर कौर 'बिग बॉस 19' की सबसे युवा प्रतिभागी हैं। उन्होंने शो में प्रवेश करने के बाद इसे जीतने की इच्छा भी जाहिर की थी। अशनूर की टीम ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आपके प्यार, दुआओं और साथ से आखिरकार अशनूर कौर ने बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। जो फैंस उन्हें चार साल की नन्ही बच्ची से आज तक बढ़ते देख रहे हैं, उनके लिए यह खास मौका है, पहली बार रियलिटी टीवी पर असली अशनूर को देखने का, जो खूबसूरत, बेबाक और बहुत भावुक भी हैं। हम बेहद खुश हैं कि आप सभी इस सफर का हिस्सा बने हैं और अपने सपोर्ट से इसे और यादगार बना रहे हैं। अशनूर को चीयर करते रहिए, अपना प्यार बांटते रहिए और तैयार हो जाइए ढेर सारी नई और अनमोल यादों के लिए। अब असली रोमांच की शुरुआत होती है।

इस वीडियो में अशनूर ने ये बताया कि जब तक वो ये वीडियो देखेंगे तब तक वह शो में प्रवेश कर चुकी होंगी। साथ ही उन्होंने फैंस को इतना सारा प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है। यह वीडियो उन्होंने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बनाया था।

अशनूर कौर ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था। उन्होंने 2009 में ऐतिहासिक टीवी सीरियल 'झांसी की रानी' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो 'साथ निभाना साथिया', 'शोभा सोमनाथ की', 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा', और 'बड़े अच्छे लगते हैं' जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं।

'बिग बॉस' में आने से पहले उन्होंने 'सुमन इंदौरी' टीवी सीरियल में मुख्य अभिनेत्री के किरदार में लोगों को खूब पसंद आई थीं। इस सीरियल में अशनूर के साथ टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी भी नजर आई थीं। 'बिग बॉस 19' का प्रीमियर जियो सिनेमा और कलर्स टीवी पर हो चुका है। जियो सिनेमा पर टीवी से 90 मिनट पहले ही सारे एपिसोड टेलिकास्ट किए जाएंगे। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 16वीं बार इस शो की मेजबानी कर रहे हैं।

आज हरतालिका तीज

सौभाग्य की प्राप्ति का पर्व...हरतालिका तीज

हरतालिका तीज की महिमा को अपरंपार माना गया है। हिन्दू धर्म में विशेषकर सुहागिन महिलाओं के लिए इस पर्व का महात्म्य बहुत ज्यादा है। हरतालिका तीज व्रत हिंदू धर्म में मनाये जाने वाला एक प्रमुख व्रत है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निर्देशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया 26 अगस्त को हरतालिका तीज मनाई जाती है। भारत में हरियाली तीज और कजरी तीज के बाद अब हरतालिका तीज का त्योहार मनाया जाएगा। यह व्रत भी अन्य दोनों व्रत के समान ही महत्व रखता है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत किया जाता है। हरतालिका तीज व्रत एक कठिन व्रत माना जाता है। इसमें महिलाएं निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। दरअसल भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र में भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन का विशेष महत्व है। हरतालिका तीज व्रत कुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियां करती हैं। हरतालिका तीज व्रत निराहार और निर्जला किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति के रूप में पाने के लिए किया था। हरतालिका तीज व्रत करने से महिलाओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज व्रत रखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार हरतालिका तीज को सबसे बड़ी तीज माना जाता है। हरतालिका तीज से पहले हरियाली और कजरी तीज मनाई जाती हैं। हरतालिका तीज में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है। हरियाली तीज और कजरी तीज की तरह ही हरतालिका तीज के दिन भी गौरी-शंकर की पूजा की जाती है। हरतालिका तीज का व्रत बेहद कठिन है। इस दिन महिलाएं 24 घंटे से भी अधिक समय तक निर्जला व्रत करती हैं। यही नहीं रात के समय महिलाएं जागरण करती हैं और अगले दिन सुबह विधिवत पूजा-पाठ करने के बाद ही व्रत खोलती हैं। मान्यता है कि हरतालिका तीज का व्रत करने से सुहागिन महिला के पति की उम्र लंबी होती है जबकि कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है। यह त्योहार मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में मनाया जाता है। कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में इस व्रत को गौरी हब्बा के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला और निराहार व्रत रखकर पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। हरतालिका तीज व्रत को सुहागिनों के अलावा कुंवारी कन्याएं रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत के पुण्य प्रभाव से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलता है।

हरतालिका तीज शुभ मुहूर्त

इस वर्ष हरतालिका तीज का व्रत 26 अगस्त 2025 को रखा जाएगा। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 25 अगस्त को दोपहर 12:34 बजे से होगी और इसका समापन 26 अगस्त को दोपहर 1:54 बजे होगा। उदया तिथि (सूर्योदय के समय जो तिथि हो) को मान्यता दी जाती है, इसलिए व्रत 26 अगस्त को रखा जाएगा।

निर्जला रखा जाता है व्रत

हरतालिका तीज व्रत करवा चौथ की तरह ही रखा जाता है। इस व्रत में पानी नहीं पिया जाता। यह व्रत निर्जला रखा जाता है। अगर व्रत के दौरान सूतक लग जाए तो व्रत रख सकते हैं और पूजा रात में कर सकते हैं। हरतालिका तीज पर रात में जाकर माता पार्वती व भगवान भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए।

हरतालिका तीज का महत्व

सभी चार तीजों में हरतालिका तीज का विशेष महत्व है। हरतालिका दो शब्दों से मिलकर बना है- हरत और आलिका। हरत का मतलब है 'अपहरण' और आलिका यानी 'सहेली'। प्राचीन मान्यता के अनुसार मां पार्वती की सहेली उन्हें घने जंगल में ले जाकर छिपा देती हैं ताकि उनके पिता भगवान विष्णु से उनका विवाह न करा जाए। सुहागिन महिलाओं की हरतालिका तीज में गहरी आस्था है। महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से सुहागिन स्त्रियों को शिव-पार्वती अखंड सौभाग्य का वरदान देते हैं। वहीं कुंवारी लड़कियों को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है।

हरतालिका तीज का व्रत कैसे करें?

हरतालिका तीज का व्रत अत्यंत कठिन माना जाता है। यह निर्जला व्रत है यानी कि व्रत के पारण से पहले पानी की एक बूंद भी ग्रहण करना वर्जित है। व्रत के दिन सुबह-सवेरे स्नान करने के बाद उमाहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरतालिका व्रतमहं करिष्ये मंत्र का उच्चारण करते हुए व्रत का संकल्प लिया जाता है।

हरतालिका तीज की पूजन सामग्री

हरतालिका व्रत से एक दिन पहले ही पूजा की सामग्री जुटा लें: गीली मिट्टी, बेल पत्र, शमी पत्र, केले का पत्ता, धतूरे का फल और फूल, अकाव का फूल, तुलसी, मंजरी, जनेऊ, वस्त्र, मौसमी फल-फूल, नारियल, कलश, अबीर, चंदन, घी, कपूर, कुमकुम, दीपक, दही, चीनी, दूध और शहद.

मां पार्वती की सुहाग सामग्री: मेहंदी, चूड़ी, बिछिया, काजल, बिंदी, कुमकुम, सिंदूर, कंधी, माहौर, सुहाग पिटारी.

पूजन विधि

हरतालिका तीज की पूजा प्रदोष काल में की जाती है। प्रदोष काल यानी कि दिन-रात के मिलने का समय. हरतालिका तीज के दिन इस प्रकार शिव-पार्वती की पूजा की जाती है। संध्या के समय फिर से स्नान कर साफ और सुंदर वस्त्र धारण करें। इस दिन सुहागिन महिलाएं नए कपड़े पहनती हैं और सोलह श्रृंगार करती हैं। इसके बाद गीली मिट्टी से शिव-पार्वती और गणेश की प्रतिमा बनाएं। दूध, दही, चीनी, शहद और घी से पंचामृत बनाएं। सुहाग की सामग्री को अच्छी तरह सजाकर मां पार्वती को अर्पित करें। शिवजी को वस्त्र अर्पित करें। अब हरतालिका व्रत की कथा सुनें। इसके बाद सबसे पहले गणेश जी और फिर शिवजी व माता पार्वती की आरती उतारें। अब भगवान की परिक्रमा करें। रात को जागरण करें। सुबह स्नान करने के बाद माता पार्वती का पूजन करें और उन्हें सिंदूर चढ़ाएं। फिर ककड़ी और हल्वे का भोग लगाएं। भोग लगाने के बाद ककड़ी खाकर व्रत का पारण करें। सभी पूजन सामग्री को एकत्र कर किसी सुहागिन महिला को दान दें।

व्रत कथा

शिव जी ने माता पार्वती जी को इस व्रत के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया था। मां गौरा ने माता पार्वती के रूप में हिमालय के घर में जन्म लिया था। बचपन से ही माता पार्वती भगवान शिव को वर के रूप में पाना चाहती थीं और उसके लिए उन्होंने कठोर तप किया। 12 सालों तक निराहार रह करके तप किया। एक दिन नारद जी ने उन्हें आकर कहा कि पार्वती के कठोर तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु आपको पुत्री से विवाह करना चाहते हैं। नारद मुनि की बात सुनकर महाराज हिमालय बहुत प्रसन्न हुए। उधर, भगवान विष्णु के सामने जाकर नारद मुनि बोले कि महाराज हिमालय अपनी पुत्री पार्वती से आपका विवाह करवाना चाहते हैं। भगवान विष्णु ने भी इसकी अनुमति दे दी। फिर माता पार्वती के पास जाकर नारद जी ने सूचना दी कि आपके पिता ने आपका



जल के साथ तुलसी की मंजरी अर्पित करनी चाहिए। लेकिन इस बात का खयाल रखें की शिवजी को तुलसी के पत्ते चढ़ाना वर्जित माना गया है। ऐसे में केवल तुलसी की मंजरी ही उन्हें अर्पित करनी चाहिए। इस उपाय को करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा आपको प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जातक की मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं और जीवन में खुशहाली आती है।

धन में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

हरतालिका तीज पर सुबह भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते समय उन्हें तुलसी की मंजरी जरूर अर्पित करें। पूजा करने के बाद तुलसी की मंजरी को उठाकर एक लाल रंग के साफ वस्त्र में बांध लें। अब इसे अपनी तिजोरी या धन रखने वाले स्थान

विवाह भगवान विष्णु से तय कर दिया है। यह सुनकर पार्वती बहुत निराश हुई उन्होंने अपनी सखियों से अनुरोध कर उसे किसी एकांत गुप्त स्थान पर ले जाने को कहा। माता पार्वती की इच्छानुसार उनके पिता महाराज हिमालय की नजरों से बचाकर उनकी सखियां माता पार्वती को घने सुनसान जंगल में स्थित एक गुफा में छोड़ आईं। यहीं रहकर उन्होंने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप शुरू किया जिसके लिए उन्होंने रेत के शिवलिंग की स्थापना की। संयोग से हस्त नक्षत्र में भाद्रपद शुक्ल तृतीया का वह दिन था जब माता पार्वती ने शिवलिंग की स्थापना की। इस दिन निर्जला उपवास रखते हुए उन्होंने रात्रि में जागरण भी किया।

उनके कठोर तप से भगवान शिव प्रसन्न हुए माता पार्वती जी को उनकी मनोकामना पूर्ण होने का वरदान दिया। अगले दिन अपनी सखी के साथ माता पार्वती ने व्रत का पारण किया और समस्त पूजा सामग्री को गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया। उधर, माता पार्वती के पिता भगवान विष्णु को अपनी बेटी से विवाह करने का वचन दिए जाने के बाद पुत्री के घर छोड़ देने से व्याकुल थे। फिर वह पार्वती को ढूंढते हुए उस स्थान तक जा पहुंचे। इसके बाद माता पार्वती ने उन्हें अपने घर छोड़ देने का कारण बताया और भगवान शिव से विवाह करने के अपने संकल्प और शिव द्वारा मिले वरदान के बारे में बताया। तब पिता महाराज हिमालय भगवान विष्णु से क्षमा मांगते हुए भगवान शिव से अपनी पुत्री के विवाह को राजी हुए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

हरतालिका पर तुलसी की मंजरी से आजमाएं ये उपाय दांपत्य जीवन रहेगा खुशहाल, अखंड सौभाग्य होगा प्राप्त

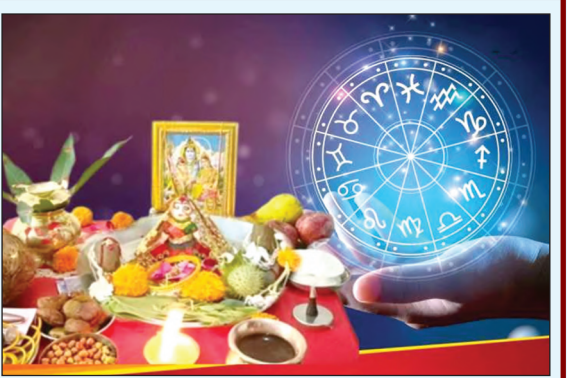
भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जला व्रत रखने और पूजा-पाठ करने का खास महत्व होता है। मान्यता है कि हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने और व्रत रखने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वहीं, अगर आप इस विशेष तिथि पर तुलसी की मंजरी से जुड़े कुछ आसान उपाय कर लें तो इससे वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, भगवान शिव की कृपा से जीवन की समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है।

दांपत्य जीवन में खुशहाली के लिए करें यह उपाय

हरतालिका तीज के दिन सुहागिन महिलाओं को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद, भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा को स्थापित करके विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इसी दौरान तुलसी की मंजरी भगवान के चरणों में अर्पित करें और दांपत्य जीवन में सुख-शांति बने रहने की कामना करें। इस उपाय को करने से वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याएं कम होने लगती हैं और पति-पत्नी के बीच का प्रेम गहरा होता है।

इस उपाय से आपकी सभी मनोकामनाएं होंगी पूर्ण

इसके लिए हरतालिका तीज के दिन शिवलिंग पर एक लोटा



राशि के अनुसार श्रृंगार व उपाय करने से मिलता है हरतालिका तीज का कई गुणा शुभ फल

हरतालिका तीज पर अपनी राशि को ध्यान में रखकर राशि के स्वामी ग्रह को अनुकूल करने के साथ तीज महोत्सव पर शिव-पार्वती का पूजन करने से दोतरफा लाभ मिलता है। एक तो शुभ मुहूर्त में शिव-पार्वती की प्रसन्नता प्राप्त होती है, जिससे व्रत का फल पूर्ण रूप से प्राप्त होता है, दूसरा जन्मपत्री में स्थित आपकी राशि का स्वामी ग्रह सबल हो जाता है। राशि का स्वामी सबल होने से जीवन में आने वाली आधी समस्याओं का निराकरण हो जाता है।

मेष और वृश्चिक राशि – मेष और वृश्चिक राशि के लोग लाल वस्त्र धारण कर मां पार्वती एवं भगवान शिव का पूजन करें तथा मां पार्वती का श्रृंगार लाल बिंदी से, लाल पुष्प अर्पण करें, राशि स्वामी मंगल की अनुकूलता भी प्राप्त होगी।

वृष एवं तुला राशि – वृष एवं तुला राशि के लोग सफेद सुगंधित पुष्प एवं चांदी के बिछिए, पायल आदि से माता का श्रृंगार करें एवं सुगंधित इत्र अर्पण करें, राशि का स्वामी ग्रह शुक्र भी अनुकूल होगा, घर परिवार की सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

मिथुन एवं कन्या राशि – मिथुन एवं कन्या राशि के लोग हरे वस्त्र पहनकर माता पार्वती को हरी चूड़ियां तथा हरी साड़ी अर्पण करें, बुध ग्रह की अनुकूलता के साथ बौद्धिक विकास होगा जिससे घर में सकारात्मकता का वास होगा।

कर्क राशि – कर्क राशि के लोग देवी मां को बताशा, इलायची दाना अथवा दूध से बने मिष्ठान का भोग लगाएं, सफेद पुष्प अर्पित करें। शिवजी के मस्तक पर विराजमान चन्द्रमा की कृपा प्राप्त होने से मानसिक शांति का अनुभव होगा।

सिंह राशि – सिंह राशि के लोग मां पार्वती का श्रृंगार गुलाबी पुष्प से करें, गुड़ का भोग लगाएं। ग्रह राज सूर्य भगवान का आशीष प्राप्त होगा तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु एवं मीन राशि – धनु एवं मीन राशि के लोग पीले पुष्प एवं पीली चूड़ियों से मां का श्रृंगार करें, राशि स्वामी देवगुरु बृहस्पति की कृपा से कुंवारी कन्याओं को उनका मनचाहा वर प्राप्त होगा और विवाहित स्त्रियों के सौभाग्य में वृद्धि होगी।

मकर एवं कुम्भ राशि – मकर एवं कुम्भ राशि के लोग तीज के दिन माता पार्वती को नारियल चढ़ाएं तथा हलुएं का भोग लगाएं। ऐसा करने से न सिर्फ राशि स्वामी शनि की कृपा प्राप्त होगी, साथ ही पारिवारिक कष्टों से मुक्ति भी मिलेगी।

हरतालिका तीज व्रत खानपान के नियम

हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मनाया जाता है। इस बार 26 अगस्त मंगलवार के दिन यह व्रत किया जाएगा। हरतालिका तीज का व्रत करने से महिलाओं को दांपत्य सुख की प्राप्ति होती है। विवाहित महिलाओं इस व्रत को अखंड सौभाग्य और पति के सुख की कामना के लिए लिए रखती हैं जबकि अविवाहित लड़कियां भी यह व्रत अच्छा वर पाने के लिए रखती हैं। तृतीया तिथि को किए जाने के कारण स्त्रियों में यह व्रत 'तीजो' के नाम से भी



जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने वाली स्त्रियां पार्वती के समान सुखपूर्वक जीवन यापन करके शिवलोक को प्राप्त होती हैं। लेकिन इस दिन महिलाओं की छोटी छोटी भूल उनके व्रत को खंडित कर सकती हैं। हरतालिका तीज व्रत का पूरा लाभ पाने के लिए आपको पंच पुराण में बताए नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

हरतालिका तीज व्रत के दौरान किसी भी तरह के अनाज का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही इस व्रत में फल खाने की मनाही भी होती है। मान्यताओं के अनुसार, हरतालिका तीज व्रत में फल खाने से बचना चाहिए। इस दिन फल खाने से बंदर का जन्म मिलता है।

हरतालिका तीज व्रत के दिन पानी भी नहीं पीना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो महिला पानी का सेवन करती है। उसे अगला जन्म मछली का मिलता है। व्रत का पारण अगले दिन करने के बाद ही पानी पी सकते हैं।

ऐसी मान्यता है कि हरतालिका तीज

व्रत के दिन जो भी महिला नमक या किसी भी प्रकार के मीठे व्यंजन का सेवन करती है उसे अगले जन्म मकड़ी का मिलता सकता है।

जो महिलाएं हरतालिका तीज का व्रत करती हैं उन्हें इस दिन दिन में और रात के समय सोना नहीं चाहिए। ऐसी मान्यता है कि व्रत के दौरान सोने से अगला जन्म सांप का मिलता सकता है।

हरतालिका तीज व्रत में क्या करें क्या न करें

जो महिलाएं हरतालिका तीज का व्रत कर रही हैं उन्हें इस दिन सोलह श्रृंगार जरूर करना चाहिए। साथ ही काला, नीला और सफेद रंग के कपड़े पहनने से बचें।

हरतालिका तीज का व्रत जब आप अगले दिन पारण करें तो कोशिश करें की आप तामसिक भोजन ग्रहण न करें।

इस दिन भूलकर भी अपने पति से परिवार के किसी भी सदस्य से वाद विवाद न करें। न ही किसी की बुराई करें।

अपने मन में भगवान का स्मरण करते रहें और रात के समय जागरण करके बताएं।



संपादकीय

‘ત્રિકોણ’ બનામ અમેરિકા

भारत

भारत रूस और चीन में एक बार फिर 'त्रिकोण' उपभूत रहा है। वैश्विक परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि दोनों देशों की भी मंच पर लामबंद हो रहे हैं। उस 'आरआईसी' नाम दिया जा सकता है। तीनों देश 'ब्रिक्स' के एक मंच पर लामबंद हैं। तीनों देश 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) में भी साथ-साथ हैं। यह 'त्रिकोण' 1998 में भी उपभूत था और 2002 में उसके विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। भारत और रूस कई दशकों से 'दोस्त' हैं। दोनों के बीच व्यापारिक रश्ते, रणनीतिक साझेदारी भी हैं। बेशक हालात कभी भी रहे हों, लेकिन भारत और चीन, रूस की ओर के बीच दुश्मनी भी हुई है और सीमा-विवाद भी रहे हैं। भारत चीन को 'दुश्मन नंबर 1' भी मानता रहा है, लेकिन दोनों एशिया के 'सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी देश' भी हैं और 2024-25 में दोनों देशों के बीच 127.7 अरब डॉलर का कारोबार भी किया गया। अब विश्व की बदलती परिस्थितियों के मद्देनपर भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और कूटनीतिक कायदावधि जारी है। रूस और चीन के संबंध कूटनीतिक स्तर पर प्रगाढ़ रहे हैं। चीन तीनों देशों का एक साझा

 खलनायक है-अमरीका, लिहाजा उस पर दबाव बनाए रखने और उसकी अड़चनों में और उसके फैसलों से निष्प्रभावी होने के मद्देनजर भारत, रूस, चीन का 'त्रिकोण' पुख्ता होता जा रहा है। रूस पर अमरीकी और यूरोपीय पाबंदियों के दौर में चीन और भारत ने उससे अपनी भात्रा में कच्चा तेल खरीदा। रूस ने भारत के साथ 'रुपया' मुद्रा में कारोबार किया। हालाँकि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवरो ने एक अरबवार में निम्नोक्त लेख लिखा और रूस की 'तेल लॉबी' को कारग दिया कि वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन की युद्ध-मशीनरी को आर्थिक मदद कर रही है, लिहाजा भारत को रूस से तेल खरीदने से रोक जा। यथाथ यह है कि अमरीका और यूरोप तुलनात्मक रूप से रूसी तेल और गैस के समसरे बड़े खरीददार हैं। यही वैश्विक परिस्थितियाँ हैं, जो भारत, रूस, चीन को करीब लकर 'त्रिकोण' बना रही हैं। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री वॉंग यी भारत आए और हमारे विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल तथा अर्थ-प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। चीन ने भव्यतुल्य पेशकश की कि वह भारत को खाद, रेयर अर्थ मिनरल्स और सुरंग खोदने की मशीन मुहैया करावे को तैयार है। रेयर अर्थ मिनरल्स चीन के 90 फीसदी चीन में ही होते हैं। चीन पहले इन वस्तुओं को आपूर्ति में बाधारे डालता रहा था। इस माह के अंत में

समूहमेन के दौरान चीन में मिलेंगे। उस मुलाकात से 'त्रिकोण' और भी पुष्टा होगा। विश्व की करीब 38 फीसदी आबादी, 33 फीसदी जीडीपी की, करीब 20 फीसदी क्षेत्रफल और दुनिया की नंबर 2, 3 और 4 संपूर्ण जमीनी देशों की। इन तीनों देशों के पास करीब 5100 परमाणु हथियार हैं। रूस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी, वोटो पॉवर वाले देश हैं। कल्पना कर सकते हैं कि इन तीनों देशों की साझा शक्ति कितनी होगी? यह 'त्रिकोण' बनना तब जोर पकड़ने लगा, जब अमरीका ने रणनीतिक समझौते होने के बावजूद भारत पर 500 फीसदी देशी थोपने की घोषणा की। तत्पश्चात साइबरवाद बढ़ने लगे और चीन ने भारत पर थोपे गए टैरिफ की निंदा की और भारत के साथ सहयोग का हाथ बढ़ाया। हालांकि इंडिया और अनाति बतलाने के लिए भारत को चीन पर भरोसा नहीं करना चाहिए, लेकिन वह 'त्रिकोण' अनाति बतलाने के लिए अमरीका की 'दादागिरी' कुछ ढीली होगा। भारत की चीन के साथ 3488 किमी सीमा के विवाद पुराने और भीगी हैं, लेकिन अचानक चीनी विदेश मंत्री ने हमारे सुरक्षा सलाहकार के सीमा संबंधी प्रस्ताव पर सहमति जताई है, लिहाजा बाकीचीन अड्डे हैं। दोनो देश सीधी उड़ान और सीमावर्ती व्यापार को फिर से सुरु करने पर सहमत हुए हैं। हालांकि चीन के साथ व्यापार करने में भारत को करीब 100 अरब डॉलर का निरंतर नुक़ान है, लेकिन चीन-भार-धोरे इसकी भरपाई की जा सकती है।

बोध

कथा

महानता और संपूर्णता का आधार है संतुलित जीवन

शिव

शिव आमंत्रण, आवृ पंड (राजस्थान)। राजपुर नामक एक सुंदर राज्य में अर्जुन नाम का एक बुद्धिमान व्यापारी रहता था, वह अपने व्यापार में अत्यंत सफल था, लेकिन उसने हमेशा अधिक धन कमाने की लालसा रहती थी। इसी कारण, वह दिन-रात काम करता और अपने परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा करता था। एक दिन, वह एक संत के पास पहुंचा और बोला, “महाराज, मैंने जीवन में बहुत धन कमाया है, लेकिन फिर भी मैं अशांत रहता हूँ। कृपया मुझे शांति का मार्ग दिखाएं।” संत मुस्कुराए और उसे एक जलपत्र दिया, जो पानी से बना हुआ था। उन्होंने अर्जुन से कहा, इसे लेकर उस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद पानी गिरे नहीं। अर्जुन बहुत सावधानी से चल पड़ा। जब वह संत के पास लौटा तो संत ने पूछा- क्या तुमने रास्ते के सुंदर पेड़, चहकते पक्षी और ठंडी हवा का आनंद लिया? अर्जुन ने उत्तर दिया- नहीं महाराज, मैं तो केवल इस राई को संभालने में लगा रहा, ताकि पानी गिर न जाए। संत मुस्कुराए और बोले- यही तुम्हारी समस्या है। तुम केवल धन कमाने में इतने व्यस्त हो कि जीवन के बाकी पहलुओं का आनंद नहीं ले पा रहे। जीवन में सच्ची शांति और आनंद पाने के लिए संतुलन आवश्यक है— कार्य, परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता में समबल होना चाहिए। अर्जुन को अपनी भूल का अहसास हुआ। उसने निश्चय किया कि अब वह केवल धन ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, स्वास्थ्य और आत्मिक शांति का भी ध्यान रखेगा। कहने का भाव यही है कि जीवन में जब हम हर पहलुओं और पक्ष का ध्यान रखते हैं, जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच सक्षम भाव से जीवन में घटने वाली हर परिस्थिति में समान रहते हैं तभी हम जीवन का असली आनंद ले सकते हैं। संतुलित जीवन ही असली, महान और प्रगल्भ होता है। जिंदगाय में जितने भी महान पुरुष, संत हुए हैं सभी के जीवन में एक संतुलन था, एक समन्वय था।

दृष्टि

कोण

राहुल गांधी एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बीमारी का ढिंढोरा पीट रहे हैं लेकिन बीमारी के इलाज का विरोध कर रहे

चुनाव आयोग नहीं, जनादेश का अपमान हो रहा है

इंडिया

राजेश कुमार पासी



राहुल गांधी ने 7 अगस्त को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाया है । उनका कहना है कि कर्नाटक में कांग्रेस को 16 सीटें मिलने की उम्मीद थी लेकिन वो केवल 9 सीटें ही जीत पाई । उनका आरोप है कि ऐसा केवल वोट चोरी से हो सकता है इसलिए वो इसे चुनाव चोरी कहते हैं । राहुल गांधी चुनाव आयोग के कर्मचारियों को धमकी देते हुए कहते हैं कि जब उनकी सरकार आएगी तो उनको इसका परिणाम भुगतना होगा । चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को अपने आरोपों पर शपथ पत्र देने का कहा है ताकि वो मामलों की जांच कर सके । राहुल गांधी कहते हैं कि शपथपत्र नहीं दोगे, उनका बयान ही शपथ पत्र माना जाए । सबसे अजीब बात यह है कि एक तरफ राहुल गांधी मतदाता सूची को फर्जी लोगों का नाम जोड़ने का आरोप लगाते हैं तो दूसरी तरफ बिहार में मतदाता सूची में फर्जी, अयोग्य और मृत लोगों के नाम हटायें जाने का विरोध कर रहे हैं ।

देश

दुनिया से

राजस्थान रेत का विस्तार नहीं अवसरों का पिटारा

थार

थार के रेगिस्तान और दूर-दूर तक रेत के धोरो के लिए पहचाना जाने वाला राजस्थान आज औद्योगिक निवेश की विपुल संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश हो गया है। औद्योगिक निवेश के लिए देशी-विदेशी निवेशकों के लिए राजस्थान प्रमुख डेस्टिनेशन बन गया है। राजस्थान का भौगोलिक परिदृश्य, जिसे कभी निवेश के लिए बाधा माना जाता था आज अवसरों का पिछरा बन गया है। थार का रेगिस्तान अब केवल रेत का विस्तार नहीं, बल्कि सौर और नवीकरणीय ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बन गया है। प्रदेश हरित विकास का नया अध्याय लिख रहा है तो धरती की गर्त में छिपी खनिज संपदा ने राजस्थान में खनन विकास की नई इबारत लिखना शुरू कर दिया है। गत दिसंबर, 24 में आयोजित राइसिंग राजस्थान इसका जीता-जागता उदाहरण है कि अगर आर समिट के दौरान ना केवल देशी-विदेशी निवेशकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया अपितु समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रूपये से अधिक के निवेश समझौते हस्ताक्षरित किये हैं। यह आज के बदलते राजस्थान की तस्वीर है। राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा को चार महत्वपूर्ण आयामों में विभाजित कर आसान से समझा जा सकता है। एक, सौर और पवन ऊर्जा राजस्थान को हरित ऊर्जा केंद्र बना रही है। दूसरा, बाड़मेर आज प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी है और जैसलमेर भारत की सोमेट राजधानी के रूप में उभर रहा है। तीसरा, कोट के जल संसाधन ऊर्जा भंडारण और शिक्षा हब दोनों को गति दे रहे हैं। तो चौथे, पोटाश, यूरेनियम, हाइड्रोकार्बन, क्रिस्टल मिनरल और अन्य खनिज प्रदेश की अर्थव्यवस्था का भविष्य उत्पन्न कर रहे हैं। राजस्थान निवेशकों की पहली पंदत बनने का बड़ा कारण यह है कि राजधानी दिल्ली और अन्य प्रमुख केंद्रों से कनेक्टिविटी और यहां की कानून व्यवस्था व लोगों का व्यवहार। शांति, सद्भाव और सहजता राजस्थान की पहचान है। मानव संसाधन की सज्ज उपलब्धता उद्यमियों के लिए और अधिक आसान हो जाती है। राजधानी दिल्ली से सबसे निकटतम शांत और बेहतर कानून व्यवस्था वाला प्रदेश राजस्थान है। एनसीआर का विस्तार राजस्थान और इसकी सीमाओं से लगते हुए हो रहा है। एनएस कोनेत और नेशनल हाईवे के विस्तार से प्रदेश के किसी भी कोने तक

आसानी से पहुँचा जा सकता है। आज देश में नवीकृत उर्जा के उत्पादन में राजस्थान शीर्ष पर है। अब सोलर के लिए आवश्यक उपकरण तैयार करने वाले उद्योगों को भी राजस्थान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बालोतरा के पचपदरा में तैयार हो रही हिन्दुस्तान पेट्रोलियम राजस्थान रिफाइनरी शुरू होने ही तत्वीर पूरी तरह से बदल जायेगी। बांधपुर पर पेट्रोकेमिकल जूना विकसित किया जा रहा है। यामपुर जैसलमेर (जिसे कभी काले पानी की सजा के रूप में देखा जाता था तेजी से विकास क्षेत्र होने जा रहे हैं। लगभग अंशभूमि को संभव बनाते हुए बाड़मेर के विकास को इसी से समझा जा सकता है कि आज राजस्थान में परकेपिता अय्य में बांधमेर पर स्थान पर आ गया है। बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर से बीकानेर तक तृती धरती आज नवीकृत उर्जा खासतौर से सोलर उर्जा के उत्पादन बढ़ा रही है। नवीकृत उर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में अग्रणी भूमिकाओं को इसी से समझा जा सकता है कि 35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों में करीब करीब 80 प्रतिशत निवेश प्रस्ताव नवीकृत उर्जा क्षेत्र के प्रातल हूए हैं। राज्य सरकार रीको के माध्यम से भूमि उपलब्ध करने के साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहना योजना, 2024 के तहत आकर्षक प्रोत्साहन भी दे रही है। सिंगल विण्डो सिस्टम से निवेकों के लिए राजस्थान में उद्योगों की स्थानां प्रसात हो रही है। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के प्रति मुख्यमंत्री भननलाल शर्मा और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्रियों द्वारा स्वयं बड़े प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए और भी प्रगति की समीक्षा प्रतिमाह अपने स्तर पर कर रहे हैं। मुख्य प्रचित सरकार पर 200 करोड़ तक के निवेश प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा प्रतिमाह की गयी है। तो इससे कम के निवेश प्रस्तावों की समीक्षा नियमित रूप से संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है। यह सच राजनीतिक संस्थिति शक्ति से ही संभव हो पा रहा है। योजनाओं द्वारा प्रत्येक प्रदेश में विकास को नई इबारत लिखी जा रही है। आज बाड़मेर प्रदेश में परकेपिता के हिसाब से शीर्ष पर आ गया है तो वो दिन दूर नहीं जब जैसलमेर सीमेंट के उत्पादन में देश की रणनीति बन जाएगा। पचपदरा में रिफाइनरी अब आ रही है। पर इससे पहले ही बाड़मेर और आसपास के क्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से तेजी से विकास हुआ है। इस सबके

एक कड़वा कारण तपती धरती को वदाने में बदल कर
 वनवीरकृत ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देने और प्रदेश में
 ब्रिजनों को विपुल संपदा को एकसूत्रता करने से संभव हो
 गया है। वैसे राजस्थान में सभी क्षेत्रों में औद्योगिक विकास
 क योजनाबद्ध प्रयास किये जा रहे हैं। कोटा में पानी की
 संपत्तियों के कारण नवीकरणी ऊर्जा को संरक्षित कर उपयोग
 करने की विपुल संभावनाएं हो गई हैं तो शिक्षा नगरी के
 जयपुर की अग्रा पद्यान बन चुकी है। वैसलमें भी
 सीमेंट ग्रेड लाइमास्टोन के विपुल भण्डार मिलने के साथ ही
 लोह के तेल और गैस के भण्डार मिलने से पुरा सिनियरो ही
 तदवतल रहा है। बीकानेर में पोंथरा की विपुल भण्डार, तो
 जयपुर में यूरेनियम के साथ ही कितिल मिलने के
 कारण आदि आदि बहुतायत में हैं। राजस्थान की धरा के
 सभी में अथाह और विविध प्रकार की खनि संपदा है। सोने-
 चांदी और लेड जिन सहित कई रत्नों में तो राजस्थान
 देश में अग्रणी बन गया है। पयंटन के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी
 है। वैसे-विदेशी विदेशी पयंटन की पहली
 संपदा राजस्थान बना जा रहा है। राजस्थान के सेंट डूय-
 लह-किले से लेकर मंदिर गलियारों पयंटन को आकर्षित
 नरकरा किया है। पयंटन के जयपुर लव्यवास ने तेजी से
 बढ़ाकर किया है तो जयपुर और राज्य के अन्य प्रदेशों तक
 तेज पयंटन के चलते आज राजस्थान मेंडिकल टूरिज्म के
 नेत्र में भी तेजी से पयंटन बना जा रहा है। हरिजन
 नेत्रों के साथ सभी आर्थिक वर्गों की पयंटन की होतल से
 परलपयत्ता है। राजधानी दिल्ली के नजदीक होने से दिल्ली
 आने वाला और नहीं तो जयपुर का ही चक्कर लगा लेते
 हैं। राजस्थान के एंटिक और रल व्यवसायों की धमक
 समूची दुनिया में है। औद्योगिक विवेशन-मुखी माहौल का
 सभी से सेंट अंदाज लगाया जा सकता है कि राजस्थान में
 गापाणी जोन अलग से विकसित है और सफलता पूर्वक
 औद्योगिक उत्पादन हो रहा है। देशां राज्य सरकार की
 लचुर मात्रा में संसाधन होने के साथ ही राज्य सरकार की
 लचुर उद्योगीमुखी नीति, राजनीतिक इच्छाशक्ति और
 लचुर-अनुकूल माहौल भी है। यही कारण है कि
 राजस्थान आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि का
 री बनता जा रहा है। आने वाल समय पयंटन का है
 और राजस्थान अब केले पयंटन ही नहीं, बल्कि ऊर्जा,
 ब्रिज, शिक्षा और उद्योगों का केंद्र भी हो गया है।

मान करता है। चुनाव आयोग का काम केन्द्र और राज्य सरकार के अधिकारी और कर्मचारी करते हैं। यह आरोप लगा देना सही नहीं है कि चुनाव आयोग किसी विशेष दल के लिए हाराफेरा कर रहा है। आपके लगाना बात सही है जब आपके पास उसको साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हो लेकिन सबूत के नाम पर विषय के पास कुछ नहीं है। मतदाता सूची में विसंगतियाँ हैं इसलिए तो चुनाव आयोग महत्त्वपूर्णीकरण कर रहा है। मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करना यह सबबि नतीजों कीया जा सकता कि इससे फिलिपीन पार्टी को फायदा पहुँचाया गया है। अगर फर्जी वोटिंग हुई है तो किसके पक्ष में हुई है, उसे भी साबित करने की जरूरत है सिर्फ विसंगतियों के आधार पर यह कह देना कि इससे भाजपा को फायदा हुआ है, पूरी तरह से गलत है। अगर भाजपा कहती है कि इससे कांग्रेस को फायदा हुआ है तो राहुल गांधी क्या जानवेंगे? मतदाता सूची में जिन विसंगतियों का खुलासा राहुल गांधी ने किया था, वैसी ही विसंगतियों को भाजपा ने कांग्रेस नेताओं द्वारा जीती हुई सीटों पर बूँद निकाला है। क्या अब राहुल गांधी यह कहेंगे कि यह विसंगतियों कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव जीतने के लिए करवाई थीं। इस तरह कहा जाए तो कांग्रेस ने भी चुनाव की चोरी की है। वास्तव में राहुल गांधी का निशाना चुनाव आयोग नहीं बल्कि मोदी सरकार है। राहुल गांधी को अब अस्सह हो गया है कि वो मोदी से जीत नहीं सकते, इसलिए उनकी जीत को संदिग्ध बना रहे हैं। ये यह साबित करना चाहते हैं कि मोदी सरकार को जन्ता बंद नहीं रही है बल्कि भाजपा वोट भी चुराकर सरकार बना रही है। इस तरह राहुल गांधी मोदी सरकार को मिले जनदेश का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा भी है कि हर सरकार के खिलाफ सभी विरोधी तलर होती हैं लेकिन मोदी सरकार के खिलाफ जितना विरोधी लहर होती है। उन्हें मोदी सरकार का बार-बार चुनाव जीतना चाहिए नहीं है इसलिए वे कह रहे हैं कि भाजपा चुनाव चोरी करके सरकार बना रही है। वो भूल गए हैं कि आजदी के बाद 55 साल तक कांग्रेस ने राज किया है। क्या वो कहना चाहते हैं कि नेहरू जी और इंदिरा जी बार-बार चुनाव इसलिए जीत रहे थे क्योंकि वे चुनाव चोरी कर रहे थे। क्या ममता बनर्जी सरकार दोबार चुनाव चोरी करके बनी थी। राहुल गांधी इस देश की जनता का अपमान कर रहे हैं, संविधान और लोकतंत्र का मेजाक बना रहे हैं। इस देश का मतदाता बहुत समझदार है, वो सरकार को तब तक नहीं बल्लता जब तक कि उसके अच्छा विकल्प उसके सामने न हो। 1977 तक देश की जनता ने सिर्फ कांग्रेस को मोदी लोकेशन अनधिकाराल के कारण पहली बार विषय को सरकार बनाने का मौका दिया। जब विषय ने अच्छा काम नहीं किया तो जनता ने कांग्रेस को दोबार मौका दिया। इसे ही 2009 में सम्मानार्थ सिंह सरकार को दोबार इसलिए मौका मिला क्योंकि जनता के मनमें अच्छा विकल्प नहीं था। 2014 में जनता को मोदी के रूप में एक विश्वसनीय चेहरा मिला तो सरकार बदल दी।

आप का

नजरिया

आपदा के कानों तक चर्चा

आपद

और उन्हें दहते वज्र के बसाने का भी है। ऐसा मतिही है कि हम ही डूब रहे हैं। लेकिन मनुष्य मालाच का दम ही के भूमरुवा बनाया जा रहा है। इसलिए जब धर्मपुर के विधायक दशरेश्वर विधानभवन में बोल रहे थे, तो मुन्ना बदला और मुद्दे भी। विधायक धर्मपुर ने पर्वत की पीड़ा को प्रस्तुत किया ताकि इन खोफनाक परिस्थितियों के कारण देश भर में हुई जाँ। आश्चर्य है कि राजस्थान अपने को लेकर कई मैदानी प्रदेशों से अपने-अपने अधिकार के पहाड़ वन जंगलों, वही बरसात की हर बूंद का दोष हमारे

[illegible]

होती है। बरसात के पानी में डूबे प्रदेश का गला सूख रहा है क्योंकि परियोजनाएँ बनाते वक़्त हम आज भी नहीं सोचते थे कि अति सूखनेवाला जलापूर्ति के लिए सही मानदंड क्या हो सकते हैं। पृथ्वी तो फोरेस्ट की भी पड़ेगी। इस आपदा का मानशरबीन यही है, यही है। बरसात के मौसम में आँख उड़ जंगलों का क्या करें जो लुटती-पिटती जमीन पर निर्वस्त्र होती बस्तियों की आबरू पर तस नही खाते। आखिर क्यों आपदाग्रस्त राज्य के मुख्यमंत्री को पुनर्वसु के लिए, अपने ही प्रदेश की भूमि पाने का अधिकार नहीं।

आश्चर्य है कि जिस पानी को लेकर कई मैदानी प्रदेश अपने-अपने अधिकार के पहाड़ बन जाते हैं, वहीं बरसात की हर बूंद का दोष हमारे ऊपर मढ़ते हैं। कमोबेश यही उपदेश दिल्ली से आते हैं कि हमने पानी को कहर बना दिया। ऐसे में हिमाचल विधानसभा का मानसून सेन इस बार कुछ विधायकों का शुक्रगुजार रहेगा, क्योंकि यहां स्वावलंबि 'पानी को अमृत' मानकर जीने का है। बल्कि पानी से निरन्तर विषाद में जीने का है। बेशक विपक्ष ने वाकआउट करने के विषय और मुद्दे ढूँढ़ लिए, लेकिन इस बार चर्चा में आपदा की चर्चा ही रहेगी। अब विधायक प्रार्थनिक योजनाओं और विधायक निधि से भी आलतुक तो इस हाहाकार का रहेगा। ठेकेदारी प्रथा के संचालन, मिट्टी से लड़ते निर्माण, नदी-नालों से लड़ते विकास और निर्माण में लगे हर पक्षकों को रीराम चाहिए विकास के साथे में ठेकेदारी प्रथा में जो नजर अंदाज हो रहा है, वह धर्मपुर के विधायक की संवेदना में दर्ज हुआ है। वह गैँती युग का मुक्कबला रात-दिन पहाड़ पर चढ़ी मशीनों के पंजों से करके, उस महीन फर्क को सामने लाते हैं, जो पहाड़ पर अंधाधुंध विकास की परतों में छुपा है। यह अंतर भवन निर्माण के कोशल का ऐसा सिपाही अनुबंध हो चला है, जो सरकारी इमारतों में सबसे अधिक गुण-दोष देख रहा है।

पुनर्वसि की दरखास्तें पड़ों पर टंगी हैं और हम एक बीघा जमीन के लिए जंगल जंगल भटक रहे हैं, जंगल हमें बचा रहे हैं, क्या वन भूमि का और बेहतर इस्तेमाल नहीं हो सकता। आपदा से बचने के लिए मानवीय सुरक्षा व पुनर्वसि के लिए कब जंगल से जमीन लौटेंगी। जंगल को मात्र ऐसे मानकर कोनीसी प्रयवर्णन सुरक्षा और लंबे आपदा के दौर में, जबकि सभी विभागों की जिम्मेदारी व जवाबदारी तब हो रही हैं, तो वन भूमि पर राज करने वाले विभाग से क्यों नहीं पूछा जा कर बचे हुए वन को कानूनी खंजर कब तक बेवफाव रहेंगे।

आधुनिक

यदि भारत पर हमारे आजादी, आइसी माह 78 साल पहले मिली थी ... हमारे सबसे दर्दनाक पलों में से एक भी था। इतिहास में पहली बार भारत, एक ऐसा देश जहां सहस्र शताब्दियों तक बबलुवाद फलता-फूलता रहा, धार्मिक आधार पर विभाजित हो गया। विभाजन ने हमारे बबलुवाद, बहुसंस्कृतिक समाज पर एक बुरा सा झटका दिया। आज, दुख की बात है कि कई भारतीय धर्मानरपेक्षता को एक बुरा शब्द मानते हैं, और देश एक हिंदू राष्ट्र बनने पर तुलु हुआ है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, आइए इस स्थिति पर पुनर्विचार करें और धार्मिक सहिष्णुता, समानता और विविध मान्यताओं के सम्मान की अपनी विश्व-प्रसिद्ध विरासत को पुनः प्राप्त करें। कल्पना कीजिए कि यदि धर्मानरपेक्षता लुप्त हो जाए तो भारत को क्या नुकसान होगा। लगभग 4000 वर्ष पूर्व, हमारे वैदिक ऋषियों ने यह विचार गढ़ा कि 'सत्य एक है, और ज्ञानी इसे विभिन्न

नामों से पुकारते हैं।' इस सरल विचार को हजारों वर्षों तक अद्वितीय बना दिया। इसने सभी प्रकार के विचारों को संश्लेषणवादी (हिंदू), नास्तिक, भौतिकवादी (आजीविका), अज्ञान और अध्यात्मवादी (जैन), आदि बढे का अवसर दिया। ईसा पूर्व ६०० हमारी सभ्यता के चरम पर, सम्राट अपनाया, लेकिन एक परमाणु से दूसरे के धर्म का सम्मान करना से व्यक्ति अपने धर्म को बढे में साथ ही दूसरे के धर्म को सेवा में सद्ध हो इस भारतीय दर्शन को लगभग अंततः पृथ्वी के हर महाद्वीप तक फैलने चीनी राजवंश, हू शान ने दुर्भाग्यवश चीन को सांस्कृतिक रूप से जीने सैनिक भेजे जो बजाय केवल भेजे।' आठवीं शताब्दी के



शासकों के हिंसा के आधार पर विजय के बावजूद, ये बहुलवादी परंपराएं जीवित रहीं। औरंगजेब जैसे कुछ मुस्लिम बादशाहों ने अन्य धर्मों पर क्रूरतापूर्वक अत्याचार किए, लेकिन अकबर जैसे अन्य शासकों ने

उनका सम्मान किया। अकबर ने अपने मंत्रिमंडल में विभिन्न धर्मों के लोगों को नियुक्त किया और एक समन्वयवादी धर्म (दीन-ए-इलाही) को बढ़ावा दिया। जब 18वीं शताब्दी में अंग्रेज भारत आए, तब भी

हिंदुओं और मुसलमानों के बीच गहरा भाईचारा था। 1857 में उन्होंने मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोहवादी क्रिया और भारत के अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के नेतृत्व में प्रतिक्रांत्य रूप से एकजुट हुए। रानी लक्ष्मीबाई और बेगम हजरत महल जैसे हिंदू-मुस्लिम दोनों शासकों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। भारत की धर्मनिरपेक्ष संस्कृति स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी कायम रही। मौलाना नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना, जो क्रमशः कांग्रेस और मुस्लिम लीग का प्रतिनिधित्व करते थे, के बीच 1916 में हुए समझौते ने हिंदू-मुस्लिम सहयोग के प्रतीक के रूप में सराहा गया। एक ब्राह्मण और कांग्रेसी नेता गोपाल कृष्ण गोखले ने जिन्ना को 'हिंदू-मुस्लिम एकता का सर्वश्रेष्ठ दूत' कहा था। जब महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया, तो उन्होंने धार्मिक एकजुटता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उन्होंने कहा, 'मेरा हिंदू धर्म सांप्रदायिक नहीं है।'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने की महत्वपूर्ण घोषणा

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम पर स्कॉलरशिप

स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में छात्रों को दी जाएगी स्कॉलरशिप



लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

देश को चार दशक के बाद एक भारतीय को अंतरिक्ष यात्रा का अवसर मिला। यह हमारा सौभाग्य है कि यह अवसर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को प्राप्त हुआ। वह सफलतम यात्रा के बाद पहली बार लखनऊ आए हैं। ऐसे में उनका आगमन हम सभी को आनंदित करता है। उनकी अंतरिक्ष यात्रा हम सभी के लिए कौतुहल का विषय थी। हर भारतवासी बड़े विश्वास और आशा भरी निगाहों से उनकी अंतरिक्ष यात्रा को देख रहा था। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोक भवन के सभागार में आयोजित देश के सपूत, अंतरिक्ष यात्री एवं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के लखनऊ आगमन पर नागरिक अभिनंदन में कार्यक्रम में कही।

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की माता आशा शुक्ला, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य ने पिता शंभुदयाल शुक्ला और मेयर सुषमा खर्कवाल ने ग्रुप कैप्टन की पत्नी कामना शुक्ला को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से ग्रुप कैप्टन की अंतरिक्ष यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अनुभव का इस्तेमाल विभाग में करने को कहा। इसके अलावा सीएम योगी ने स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए शुभांशु शुक्ला के नाम से स्कॉलरशिप का ऐलान किया। सीएम ने कहा कि 3 वर्ष से 4 वर्ष पहले प्रदेश में स्पेस टेक्नोलॉजी को लेकर किसी भी विश्वविद्यालय, संस्थान में न तो कोई पाठ्यक्रम था, न ही सिलेबस, न डिग्री, न डिप्लोमा और न ही कोई सर्टिफिकेट कोर्स था। वहीं वर्तमान में प्रदेश के दर्जन भर से अधिक टेक्निकल इंस्टीट्यूशन में स्पेस टेक्नोलॉजी को लेकर कोर्सेज संचालित हो रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि भारत के विकास की यात्रा में प्रदेश के संस्थान बराबर सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत वासियों के सामने वर्ष 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य दिया है। इसे साकार करने के लिए विकास के उन सभी क्षेत्र के लिए अपने द्वार खुले रखने होंगे,



जहां-जहां आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं। सीएम योगी ने कहा कि शुभांशु शुक्ला के पिता प्रदेश सरकार के सचिवालय प्रशासन में अधिकारी थे। उनके इस गौरवपूर्ण मार्ग पर चलते हुए आज उनके पुत्र ने न केवल उत्तर प्रदेश को बल्कि समूचे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने 18 दिनों की स्पेस यात्रा में पृथ्वी की 320 बार परिक्रमा की। इससे उनकी यात्रा की महत्वपूर्णता और उद्देश्य स्पष्ट होता है।

सीएम ने कहा कि इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन से अंतरिक्ष यात्रा को लेकर बातचीत हुई, जिसमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की यात्रा, अंतरिक्ष मिशन और भविष्य में होने वाले प्रयोगों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने 18 दिनों में पूरी पृथ्वी का दौरा किया, जो किसी भी आम नागरिक के लिए अविश्वसनीय अनुभव है। उनका यह अनुभव भविष्य में उत्तर प्रदेश और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। इस यात्रा से ना केवल उन्होंने अंतरिक्ष में अपनी पहचान बनाई, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं,

जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा और कृषि के संकटों से निपटने के लिए भी नई दिशा दिखाई है। सीएम ने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी के उपयोग से प्राकृतिक आपदाओं का बेहतर प्रबंधन और किसानों की आय में वृद्धि संभव है। सीएम ने कहा कि फिल्म के माध्यम से हम सभी ने देखा कि किन-किन क्षेत्रों में आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं जबकि पहले यह फील्ड हम सभी से अछूती थी। वर्तमान में क्लाइमेट चेंज से हर व्यक्ति जुड़ा रहा है। ऐसे में इससे निपटने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर सकते हैं। सीएम ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने भी युवाओं से स्पेस टेक्नोलॉजी में करियर बनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि आज के युवा के पास अंतरिक्ष मिशन जैसी नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के अनगिनत अवसर हैं, जो पहले कभी नहीं थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शुभांशु शुक्ला के अनुभव से आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और भारत के युवा इस क्षेत्र में और भी अधिक सक्रिय हो सकते हैं। यह यात्रा न केवल स्पेस सेक्टर को

विकसित करने का अवसर है, बल्कि यह हमें आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की दिशा भी देती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में स्पेस सेक्टर में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की यात्रा के माध्यम से हम 2027 में गगनयान मिशन और 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बड़े कदम उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए प्रदेश में अली वार्निंग सिस्टम लगाए गए हैं। इसके लिए भारत सरकार सहयोग कर रही है, लेकिन हम स्वयं के सैटेलाइट, रिमोट सेंसिंग स्टेशन के माध्यम से आपदाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदाएं नियंत्रित नहीं हो सकती हैं, यह कहकर हम अपने जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते हैं। इन चुनौतियों का सामना टेक्नोलॉजी से किया जा सकता है।

अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु

यूपी का विकास अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरणा स्रोत : वी नारायणन

कार्यक्रम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने प्रदेश के विकास कार्यों और स्पेस प्रोग्राम से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना की और यूपी की प्रगति पर बात की। उन्होंने कहा कि यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जो विकास हो रहा है, वह अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विकास के लिए कई योजनाओं और पहलों की शुरुआत की, जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश आज कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी में जो परिवर्तन हुआ है, वह सिर्फ राज्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी को एक नई दिशा दी है। इसके अलावा इसरो के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान को भी विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा देश को अंतरिक्ष कार्यक्रम में नए आयामों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत ने स्पेस टेक्नोलॉजी में कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं और आज देश अंतरिक्ष में अपने स्थान को और भी मजबूत बना रहा है।

शुक्ला ने अंतरिक्ष में बिताए अपने पलों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जब आप पहली बार स्पेस स्टेशन पर पहुंचते हैं तो पहली बार आपका शरीर माइक्रोग्रैविटी का एक्सपीरियंस शेयर करता है। आपके शरीर में बहुत सारे बदलाव आते हैं। आपके शरीर का पूरा ब्लड सर् में आ जाता है, जिससे आपका सर बड़ा हो जाता है। आपका हाट स्लो हो जाता है क्योंकि उसको ग्रेविटी के ऑर्गेस्ट काम नहीं करना है। आपके पेट में जो भी होता है, वह भी फ्लोट करने लगता है। इसे आप समझ नहीं आते हैं कि आपके अंदर क्या चल रहा है। आपको भूख नहीं लगती है। बहुत सारे चैलेंजेस होते हैं। मुझे लगता है कि हम ऐसी जगह लाइफ को सस्टेन कर रहे हैं, जहां लाइफ सस्टेन होनी

नहीं चाहिये। वहां का वातावरण है कि वैक्यूम है, तापमान काफी हार्ड है और हवा बिल्कुल भी नहीं है। इसके सबके बाद भी ह्यूमन इंजीनियरिंग का कमाल है कि इसके बाद भी वहां पर लाइफ को सस्टेन कर पा रहे हैं। इसी डायरेक्शन में भारत अपनी जर्नी पर है। जब हम अपना पहला मिशन लॉन्च करेंगे, जो दुनिया के चौथे राष्ट्र होंगे, जिसके पास ये कैपेबिलिटी होगी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, अनिल कुमार, गिरिश चंद्र यादव, अजीत पाल, मनोहर लाल कोरी, मेयर सुषमा खर्कवाल, सांसद बृजलाल, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद आदि मौजूद थे।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का लखनऊ में जोरदार स्वागत

एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया स्वागत सम्मान समारोह में सीएमएस पहुंचे ग्रुप कैप्टन शुभांशु



लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

अंतरिक्ष यात्रा से लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आज अपने गृह जनपद लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। उनके माता-पिता और बड़ी संख्या में मौजूद परिजनों के साथ लखनऊवासियों ने उनका भावुक और भव्य स्वागत किया। उनके मोहल्ले त्रिवेणी नगर में जश्न का माहौल है। लखनऊ शहर में चारों ओर शुभांशु-नेशनल हौर के पोस्टर लगे हैं।

लखनऊ के लाल के नगर

आगमन पर उनका स्वागत करने के लिए सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा।

इस दौरान उनके साथ गाड़ी पर सुषमा खर्कवाल, उनके माता-पिता, पत्नी और बेटा मौजूद थे। एक छात्र ने स्कूल के पुरातन छात्र रहे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को स्केच देकर उनका स्वागत किया। अंतरिक्ष से लौटने के बाद शुभांशु शुक्ला के प्रथम लखनऊ आगमन पर अमौसी एयरपोर्ट पर सीएमएस स्कूल के तीन हजार बच्चों ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर बच्चों ने परेड

निकालकर प्रस्तुति दी। अलग-अलग प्रस्तुति देकर बच्चों ने ग्रुप कैप्टन का किया स्वागत। इस मौके पर शुभांशु भी कभी हाथ हिलाकर तो कभी हाथ जोड़कर बच्चों के अभिनंदन का जवाब देते रहे।

शुभांशु शुक्ला एयरपोर्ट से निकलकर एक कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़े, तो रास्ते में स्कूली बच्चों ने सड़क किनारे खड़े रहकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान उनका जोश देखने लायक था। आसपास का इलाका भारत माता की जय के नारों से गूंजता रहा। उपमुख्यमंत्री



ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज लखनऊ के लिए बहुत बड़ा दिन है। भारत के सपूत, लखनऊ के सपूत ने लखनऊ में कदम रखा है। जब से वह अंतरिक्ष से धरती पर लौटे हैं, लखनऊ के लोग बेसम्री से उनके आगमन का इंतजार कर रहे थे। आज आखिरकार वह क्षण आ ही गया।

हम शुभांशु शुक्ला का गर्मजोशी और प्रेम से स्वागत करते हैं।



मुख्यमंत्री योगी से मिले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला
लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से सफल मिशन पूरा कर लौटे लखनऊ के गौरव, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। शुभांशु शुक्ला हाल ही में भारत लौटे हैं और पहली बार सोमवार को अपने गृह प्रदेश उत्तर प्रदेश आए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें मिशन की सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री आवास पर पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा करते हुए शुभांशु शुक्ला ने कहा, जिस तरह का उत्साह और जिस तरह का एक्साइटमेंट मुझे देखने को मिला है, उससे मैं सच में बहुत कृतज्ञ महसूस कर रहा हूँ। ऐसा लग रहा है जैसे मैं घर वापस आया हूँ, और यह बहुत अच्छा लगा। यहां आकर जिस तरह का उत्साह देखने को मिला और जिस तरह का प्यार और समर्थन लोग दिखा रहे हैं, उससे मैं बहुत खुश हूँ। मुझे गर्व है कि मेरे एक मिशन के जरिए इतना उत्साह सृजित हो पाया है। इस बात से मैं और भी प्रोत्साहित हूँ कि जो गतिशीलता हमने बनाई है, वह हमारी अंतरिक्ष की शोध-यात्रा को और आगे बढ़ाएगी।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार उछाल के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स पय्चर्स सोमवार को मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

हालांकि डाउ जॉन्स पय्चर्स सोमवार को फिलहाल 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 45,599.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की

अमेरिकी बाजार में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 96.74 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के साथ 6,466.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 396.22 अंक यानी 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,496.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

हालांकि डाउ जॉन्स पय्चर्स सोमवार को फिलहाल 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 45,599.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की

मजबूती के साथ 9,321.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,969.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,363.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी चौतरफा उत्साह का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,954 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,259.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये

सूचकांक 590.78 अंक यानी 2.49 प्रतिशत उछल कर 24,355.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हंग सेंग इंडेक्स 538.86 अंक यानी 2.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,878 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कोसपी इंडेक्स 1.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,204.46 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,938.25 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.86 प्रतिशत उछल कर 3,858.59 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,263.16 अंक के स्तर पर और निकर्केई इंडेक्स 104.71 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 42,738 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एनडीए से हैं। ऐसे में इस विधेयक से सिर्फ विपक्ष पर ही सवाल खड़े नहीं होते बल्कि हमारे मुख्यमंत्रियों पर भी सवाल उठेंगे। अगर फर्जी मामला है तो देश के उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट आखें बंद करके नहीं बैठे हुए हैं, ये जमानत दे सकते हैं। कांग्रेस सरकार में भी ऐसा प्रावधान था कि अगर सत्र अदालत ने किसी को दो साल जेल की सजा सुनाई है तो उस सदस्य की सदस्यता अपने आप चली जाती थी।

भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद भी आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल में रहने के बाद भी सीएम पद से इस्तीफा नहीं दिया था। इस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा आजकल नई परंपरा आ गई है। दो साल पहले ऐसा कोई मामला नहीं था। आरोप लगने के बाद नेता इस्तीफा देते थे और रिहाई के बाद ही राजनीति में शामिल होते थे। लेकिन तमिलनाडु के कुछ मंत्रियों ने जेल में रहने के बावजूद मंत्रीपद से इस्तीफा नहीं दिया था। दिल्ली के सीएम और गृहमंत्री ने भी इस्तीफा नहीं दिया था। राजनीति को बदनाम करने और सामाजिक नैतिकता को इस स्तर तक गिराने के लिए हम इससे सहमत नहीं हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों की ओर से 130वें संविधान संशोधन विधेयक के विरोध पर कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह और भाजपा दोनों इस विचार को पूरी तरह से खारिज करते हैं कि देश उस व्यक्ति के बिना नहीं चलाया जा सकता, जो जेल में बंद है। उन्होंने पूछा कि क्या कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई भी नेता जेल से सरकार चला सकता है? जेल को सीएम हाउस, पीएम हाउस बना दिया जाए? क्या डीजीपी, मुख्य सचिव, कैबिनेट सचिव या गृह सचिव जेल से आदेश लेंगे? अमित शाह ने कहा, मेरी पार्टी और मैं इस विचार को पूरी तरह से खारिज करते हैं कि इस देश पर उस व्यक्ति के बिना शासन नहीं चल सकता जो जेल में बैठा है। इससे संसद या विधानसभा में किसी के बहुमत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एक सदस्य जाणा, पार्टी के अन्य सदस्य सरकार चलाएंगे और जब उन्हें जमानत मिलेगी, तो वे आकर फिर से शपथ ले सकते हैं। इसमें क्या आपत्ति है?

उन्होंने कहा, मैं पूरे देश को 130वें संशोधन के बारे में बताना चाहता हूं। इस संशोधन में हमने यह प्रावधान किया है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या केंद्र या राज्य सरकार का कोई भी नेता गंभीर आरोपों का सामना करता है और गिरफ्तार होता है और अगर उसे 30 दिनों के भीतर जमानत नहीं मिलती है, तो उसे अपना पद छोड़ना होगा। अगर वह इस्तीफा नहीं देता है, तो उसे कानून पद से हटा दिया जाएगा। यही हमने 130वें संशोधन में शामिल किया है। गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि खुद प्रतनीमंत्री ने ही इस विधेयक के अंतर्गत प्रधानमंत्री पद को लाने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने स्वयं इसमें प्रधानमंत्री पद को शामिल किया है। इससे पहले, इंदिरा गांधी 39वां संशोधन (राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष को भारतीय न्यायालयों की ओर से न्यायिक समीक्षा से बचाने के लिए) लेकर आई थीं। नरेंद्र मोदी अपने ही विरुद्ध एक संविधान संशोधन लाए हैं कि अगर प्रधानमंत्री जेल गए तो उन्हें इस्तीफा देना होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं स्पष्ट कर दूं कि जब कोई निर्वाचित सरकार संसद में कोई संविधान संशोधन लाती है, तो विरोध की अनुमति होती है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि यह संशोधन दोनों सदनों की एक संयुक्त समिति को भेजा जाएगा। वहां सभी अपनी राय रख सकते हैं। चूंकि, यह एक संविधान संशोधन है, इसलिए इसके लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन क्या लोकतंत्र में यह उचित है कि विधेयक को संसद में पेश ही न करने दिया जाए? दोनों सदन चर्चा के लिए हैं या सिर्फ शोरगुल और व्यवधान के लिए? गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि यह विधेयक पारित हो जाएगा। कांग्रेस पार्टी और विपक्ष में कई लोग होंगे, जो नैतिकता का समर्थन करेंगे और नैतिकता के आधार पर काम करेंगे।

मस्जिद से गाजा के ...

यहां आरोपी ने मस्जिदों में जाकर गाजा में भूखे परिवारों के वीडियो दिखाकर चंदा इकट्ठा किया। पुलिस को अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि यह पैसा गाजा भेजा गया हो। शरद सिंघल ने कहा कि यह जांच का विषय है कि वे पहले कोलकाता क्यों गए और फिर अहमदाबाद आए। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वे वास्तव में चंदा इकट्ठा कर रहे थे या किसी और मकसद से भारत आए थे। उन्होंने बताया कि अमेरिकी डॉनर की बायमदगी और कुछ डिजिटल लेन-देन भी शक पैदा करते हैं। पुलिस अब उनकी गतिविधियों और संपर्कों को समझने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी कुछ संदिग्ध लोगों के संपर्क में थे।

गुजरात एंटी-टेररिज्म स्कॉड (एटीएस) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भी इस मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि आरोपी के असली पैसा का पता लगाया जा सके और यह जाना जा सके कि इकट्ठा किया गया पैसा कहाँ भेजा गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि उनके नेटवर्क और संपर्कों का पता चल सके। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने माना है कि यह पैसा उन्होंने अपनी शान-शौकत वाली जिंदगी पर खर्च किया। पुलिस के मुताबिक, दाम इकट्ठा कर उन्होंने अपने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है। सरकार ने अब उन्हें ब्लैकलिस्ट और डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भारत को जहां...

बाजार में स्थिरता आई है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि देशवासियों को सस्ती और स्थिर ऊर्जा मिले। व्यापार एक वाणिज्यिक लेनदेन है और भारतीय कंपनियां वहीं से तेल खरीदेगी जहां से उन्हें सर्वश्रेष्ठ सौदा मिलेगा।

विनय कुमार ने यह भी कहा कि भारत-रूस व्यापार आपसी हित और बाज़ार की जरूरतों पर आधारित है। उन्होंने यह भी दाव दिया कि अमेरिका और यूरोपीय देश भी अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं। साथ ही तेल भुगतान ण्णाली को लेकर राजदूत ने कहा कि भारत और रूस के बीच राष्ट्रीय मुद्राओं में भुगतान प्रणाली अच्छी तरह काम कर रही है और इसमें कोई समस्या नहीं है। तेल के अलावा भारत अब रूस को इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, निर्माण सामग्री, फैशन और टेक्स्टाइल जैसे क्षेत्रों में अपने निर्यात को बढ़ाने पर जोर देगा। कुमार ने कहा कि इन क्षेत्रों में भारत की क्षमता बहुत अधिक है, लेकिन अभी निर्यात अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि इन क्षेत्रों में निर्यात बढ़े और डिजिटल व वित्तीय सेवाओं जैसे सेवा क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाया जाए।

इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अमेरिकी टैरिफ के फैसले की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि भारत अपने किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। भारत सरकार ने कहा है कि वह अमेरिका के इस फैसले के खिलाफ हर जरूरी कदम उठाएगी ताकि देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सके।

आवारा कुत्तों पर...

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस भूषण आर गवई ने प्रशासनिक स्तर पर हस्तक्षेप करते हुए इस मामले को जस्टिस पारदीवाला की पीठ से हटाकर एक बड़ी पीठ को सौंप दिया, जिसने पारदीवाला का फैसला बदल दिया।

जस्टिस अभय ओका ने इसे लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी आदेश को बदलना हो, तो वह केवल उसी पीठ द्वारा दोबारा सुनवाई करके या समीक्षा याचिका के जरिए किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश को यह अधिकार नहीं है कि वे किसी पीठ को पत्र लिखकर उसके आदेश में बदलाव करें या मामला किसी दूसरी पीठ को सौंप दें। उनका कहना है कि इस तरह का प्रशासनिक हस्तक्षेप न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर



न्यूज़ट्रीफ

अस्थिर वैश्विक माहौल में बैंकों, कंपनियों को निवेश चक्र बनाने एक साथ आना चाहिए : आरबीआई गवर्नर



मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि भारत एक अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है और ऐसे समय में बैंकों और कॉर्पोरेट क्षेत्र को मिलकर निवेश चक्र को सशक्त करना चाहिए। वे मुंबई में आयोजित वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसपी 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। गवर्नर ने कहा कि आज जब बैंकों और कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत है, यह उपयुक्त समय है कि वे साथ मिलकर निवेश और विकास को गति दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि विनियमित संस्थाएं और आरबीआई भले ही अलग-अलग दृष्टिकोण से काम करते दिखें, लेकिन दोनों का साझा लक्ष्य आर्थिक स्थिरता और समावेशी विकास है। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और वह उभरते क्षेत्रों में ऋण विस्तार के उपायों पर विचार कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने प्रौद्योगिकी अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषिमे मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को अपनाकर वैश्विक सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत को नए विकास के अवसर तलाशने होंगे। इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा। आरबीआई मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए विकासोन्मुख नीतियों का संचालन करता रहेगा।

सेबी ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में पब्लिक शेयरहोल्डर माना, सख्त शर्तें भी लगाईं



नई दिल्ली। सिक्वोरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में अपनी बची हुई हिस्सेदारी के साथ पब्लिक शेयरहोल्डर के रूप में दोबारा शामिल होने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी बैंक के रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी गई है। आईडीबीआई बैंक ने इस संबंध में बीएसई को जानकारी दी है और बताया कि निवेश एवं सार्वजनिक संपति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने सेबी के इस फैसले की सूचना दी है। सेबी ने एलआईसी को अपनी हिस्सेदारी के वॉटिंग राइट्स 10 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी है। इसके अलावा एलआईसी को बैंक के मामलों में सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह का निरंत्रण रखने की अनुमति नहीं होगी। एलआईसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में न तो कोई प्रतिनिधि भेज सकेगी और न ही कोई नॉमिनी रख सकेगी। साथ ही एलआईसी को बैंक के साथ कोई विशेष अधिकार, जैसे शेयरहोल्डर समझौते या अन्य सुविधाएं, नहीं दी जाएगी। यदि एलआईसी इन शर्तों का पालन नहीं करती है, तो उसका पब्लिक शेयरहोल्डर का दर्जा समाप्त हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी शर्त लगाई है कि एलआईसी को अपनी बची हुई हिस्सेदारी दो साल के अंदर 15 फीसदी या उससे कम करना होगा। वर्तमान में केंद्र सरकार और एलआईसी मिलकर आईडीबीआई बैंक में लगभग 95 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं, जिसमें से 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी गई है।

परमाणु ऊर्जा में विस्तार: एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान में रखेगी

न्यूविलयर पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला

नई दिल्ली। बिजली उत्पादन की प्रमुख सरकारी कंपनी एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान के बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की न्यूविलयर पावर परियोजना की आधारशिला रखेगी। इस परियोजना में चार प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। यह एनटीपीसी के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश का पहला बड़ा कदम है। एनटीपीसी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि एनटीपीसी एनईएफ समिट में बताया कि कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया है। उनका लक्ष्य है कि 2047 तक एनटीपीसी के पोर्टफोलियो में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता जोड़ी जाए।

एनटीपीसी इस दिशा में एनपीसीएल के साथ मिलकर भी काम कर रही है। राजस्थान के माही बांसवाड़ा परियोजना को एनपीसीआईएल के साथ ज्वाइंट वेंचर अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के तहत स्थापित किया जाएगा, जिसमें एनटीपीसी की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत होगी। एनटीपीसी इस परियोजना के अलावा स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी स्थापित करने की योजना बना रहा है।

बहाउद्दीन बहार...

सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि मोहम्मद इकबाल हुसैन नाम का एक मुस्लिम युवक, हनुमान की गोद में कुरान रख रहा था। साफ हो गया कि यह कृत्य हिंदुओं ने नहीं, बल्कि मुसलमानों ने किया था। लेकिन इकबाल हुसैन के पीछे कौन शक्तियां थीं? जांच में पता चला कि अवामी लीग के नेता और कोमिला-6 से तत्कालीन सांसद एकेएम बहाउद्दीन बहार इस षडयंत्र का असली मास्टरमाइंड था। हनुमान की गोद में कुरान रखने वाला इकबाल तो सांप्रदायिक अराजकता फैलाने की बड़ी योजना का एक मोहरा मात्र था। असली सर्गना तो सांसद एकेएम बहाउद्दीन बहार था। इस आपराधिक साजिश के कारण हुई तबाही और मौतों के बावजूद अभियुक्त को सजा बेहद कम मिली। ढाका स्थित साइबर ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश एएम जुल्फिकार हयात ने डिजिटल सुरक्षा अधिनियम के तहत इकबाल को केवल चार महीने के कारावास की सजा सुनाई। सांसद बहार और उसके करीबी सभी षडयंत्रकारी अपनी राजनीतिक शक्ति और प्रभाव के बल पर बेदाग बच निकले।

खुद को स्वतंत्रता सेनानी बताने वाहा बहाउद्दीन बहार असल में रजाकार है, जिसने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान की अत्याचारी सेना का सहयोग किया था। बहाउद्दीन का काम लंबे समय तक हिंदुओं की जमीनें हड़पने का रहा है। खासकर वह कोमिला में कमजोर हिंदू परिवारों की जमीनें हड़पता रहा। बहार और उसके गिरोह ने नानुआ दिधि के पास हिंदुओं की सम्पत्ति पर कब्जा किया और उसे बेचा या अपने परिवार के सदस्यों को हस्तांतरित किया है। कब्जे की जमीन का फायदा उठाने में उसकी बेटी तहसीन बहार सुचना भी शामिल रही है। यहां तक कि कोमिला के निर्वाचन क्षेत्र-6 में अवामी लीग का सबसे बड़ा पार्टी कार्यालय भी हिंदू मालिकों से अवैध रूप से जब्त की गई जमीन पर बनाया गया था। उसने दुर्गा पूजा को मंद्युक्तो-पूजो (शराब का त्योहार) बता कर पूरे बांग्लादेश का सांप्रदायिक माहौल खराब किया था। बहार की हिंदू-विरोधी हरकतें केवल जमीन हड़पने या हिंसा भड़काने तक ही सीमित नहीं थीं। वह अपनी हिंदू विरोधी गतिविधियों का राजनीतिकरण करने में भी माहिर था। उसने बांग्लादेश में कट्टर इस्लामिक रूझान को बढ़ावा देने का काम किया और देश में सांप्रदायिक विभाजन की खाई को बढ़ाया।

5 अगस्त 2024 को अवामी लीग की सरकार के पतन के बाद बहार और उसका परिवार अंडरग्राउंड हो गया। उसकी बेटी तहसीन बहार सुचना 29 अगस्त 2024 को कोमिला के बुरीचंग उपजिला से सीमा पार करके चरमाल सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश करने में कामयाब रही। बहार भी कुछ ही देर बाद भारत में घुस आया। आज, बहाउद्दीन बहार और उसकी बेटी कोलकाता के राजारहाट इलाके में बड़े ठाठ से रह रहे हैं। उसे पश्चिम बंगाल के सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस और टीएमसी नेताओं का संरक्षण मिल रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस हिंदू विरोधी षडयंत्रकारी को भारत का आधार कार्ड, भारतीय पासपोर्ट और यहां तक कि नागरिकता के कागजात भी मुहैया करा दिए गए हैं। उसकी बेटी को भी सारे भारतीय दस्तावेज मिल चुके हैं।

बहार जैसे भारत विरोधी व्यक्ति को भारत में होना सुरक्षा के समक्ष गंभीर चुनौती है। जिस व्यक्ति ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक दंगे भड़काए, हिंदुओं का उत्पीड़न किया, मंदिरों की जमीनें हड़पीं और हिंदू महिलाओं के साथ बदसलूकियां कीं, वह व्यक्ति भारत में शांति और विशेषाधिकार का आनंद ले रहा है। यह भारत के लिए अत्यंत शर्म की बात है। बहार भारत में कैसे घुस आया? किन राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तियों ने उसके प्रवेश और बसने में मदद की? क्या बहार ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए धन और प्रभाव का इस्तेमाल किया? ऐसे कई गंभीर सवाल सामने हैं। कोलकाता में रहते हुए बहाउद्दीन बहार हिंदू-विरोधी कट्टरपंथी अंतरराष्ट्रीय चरमपंथी नेटवर्क के लिए माध्यम का काम कर रहा है।

भारत पारंपरिक रूप से बांग्लादेश में सताए गए हिंदुओं को शरण देने की बात कहता रहा है। जबकि, बहाउद्दीन बहार की भारतीय नागरिकता भारत सरकार के विपरीत आचरण का सबूत है। भारत उत्पीड़ित हिंदुओं को शरण देने के बजाय उपीड़क को न केवल शरण बल्कि नागरिकता दे रहा है। यह खतरनाक खेल भारत पर भारी पड़ने वाला है। भारत सरकार को बहाउद्दीन बहार और उसकी बेटी के आधार कार्ड, पासपोर्ट और नागरिकता हासिल करने की तत्काल जांच करनी चाहिए। उसका भारतीय दस्तावेज तत्काल रद्द किया जाना चाहिए और उसे बांग्लादेश वापस भेजने की कार्रवाई करनी चाहिए। भारत और बांग्लादेश के बीच अंतर-सरकारी सहयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि बहाउद्दीन बहार पर हिंदुओं के खिलाफ अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सके। सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बढ़ाई जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बांग्लादेश से राजनीतिक रूप से उजागर भगोड़े झूठी पहचान के साथ घुसपैठ न कर सकें।

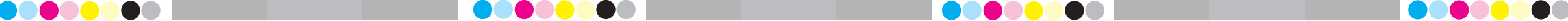
एकेएम बहाउद्दीन बहार का वाक्या इस बात की सनद है कि एक राजनीतिक अपराधी किस तरह सत्ता, प्रभाव और भ्रष्टाचार के बूते कानून से बच जाते हैं। विडंबना है कि बांग्लादेश में सांप्रदायिक दंगे भड़काने, हिंदुओं की जमीनें हड़पने और हिंदुओं को अपमानित करने के आरोपी व्यक्ति को भारत में सुरक्षित आश्रय मिल गया है। जबकि बांग्लादेश के हिंदू भारत से सुरक्षा और सहायता की उम्मीद लगाए बैठे हैं। भारत को इस विश्वासघात की गंभीरता को समझना चाहिए। बहार की रक्षा करने का मतलब उन अनगिनत हिंदुओं के साथ विश्वासघात करना है जिन्होंने उसके कृत्यों के कारण अपने घर, परिवार और जीवन खो दिए। उनके लिए न्याय तब तक प्राप्त नहीं हो सकता जब तक बहार से भारत में उसके धोखाधड़ी वाले विशेषाधिकार छीन लिए गए न जाएं और उसे उसके अपराधों के लिए मुकदमे का सामना न करना पड़े। यदि भारत वास्तव में वैश्विक हिंदुओं के रक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाना चाहता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि बहार जैसे लोगों को न्याय का मजाक उड़ाने और चोरी की गई जमीनों और जाली दस्तावेजों पर शांति से रहने की अनुमति न दी जाए। बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए न्याय की शुरुआत बहार को जवाबदेह ठहराने से होती है।

भारत और फिजी...

नाव पर सवार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत और फिजी एक स्वतंत्र, समावेशी, खुले, सुरक्षित और समृद्ध भारत-प्रशांत का समर्थन करते हैं। राबुका रिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के प्रधानमंत्री के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में फिजी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ है। प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ बढ़ाने के चीन के अथक प्रयासों की प्रुष्ठभूमि में, भारत फिजी के साथ अपने रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर विचार कर रहा है।मोदी और राबुका के बीच वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को व्यापक बनाने के लिए सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने कहा, हमने रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत फिजी की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण और उपकरण सहायता प्रदान करेगा। अपने संबोधन में मोदी ने वैश्विक दक्षिण के लिए भारत की प्राथमिकताओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक दक्षिण के विकास में सहायत्री है। हम एक ऐसी विश्व व्यवस्था के निर्माण में भागीदार हैं, जहां वैश्विक दक्षिण की स्वतंत्रता, विचारों और पहचान का सम्मान किया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन फिजी के लिए खतरा है और नई दिल्ली आपदा प्रतिक्रिया से निपटने में उसकी मदद करेगी।

तब मनमोहन...

हटाने का प्रावधान है, जिसका विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। अमित शाह ने कहा आज देश में एनडीए गठबंधन के मुख्यमंत्री ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री भी



BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm

Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ

महारे भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 26 अगस्त, 2025

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का सदस्यता अभियान और वेबसाइट ट्रेनिंग



हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने अपनी सदस्यता बढ़ाने के अभियान और वेबसाइट ट्रेनिंग के लिए राघव रतना टावर स्थित अपने मीटिंग हॉल में एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया। इस सभा में समाज के पांचों जनों के समन्वयकों और विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य सभी शाखाओं को सदस्यता अभियान से जोड़ना और अग्रवाल समाज तेलंगाना ऐप और वेबसाइट के बारे में जानकारी देना था।

सभा की शुरुआत महाराजा श्री अग्रसेन की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद, सभी जनों के पदाधिकारियों को अलग-अलग सत्रों में ट्रेनिंग दी गई। पहले सत्र में ईस्ट जनों के संयोजक महेंद्र अग्रवाल, दूसरे में वेस्ट जनों के मुकुंदलाल अग्रवाल, तीसरे में नॉर्थ जनों के दिनेश अग्रवाल, चौथे में साउथ जनों के टी. सुनील कुमार और पांचवें में सेंट्रल जनों के डी.पी. अग्रवाल और उनकी टीमों को वेबसाइट और सदस्यता अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस आयोजन में करीब 180 सदस्यों ने भाग लिया। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, संयुक्त मंत्री डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता, और आईटी सेल कमेटी के चेयरमैन रितेश अग्रवाल ने सभी को वेबसाइट की विस्तृत जानकारी दी।

अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने आईटी सेल कमेटी के सदस्यों - रितेश अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, राज कुमार अग्रवाल और आशीष दोचनिया का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी पांचों जनों के समन्वयकों से अनुरोध किया कि वे इस अभियान को तेज़ी से आगे बढ़ाएँ और जयंती महोत्सव तक 25,000 सदस्यों को समाज से जोड़ने के लक्ष्य को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करें।

श्री २५म मंदिर
कोवीजुडा - हैदराबाद

प्रातः दर्शन

25-08 2025

श्री २५म मंदिर कमेटी
कोवीजुडा हैदराबाद

शिक्षा ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा की कुंजी : उपमुख्यमंत्री भट्टी

हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विचारमार्ग मल्लू ने सोमवार को कहा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो सामाजिक परिवर्तन ला सकता है, पिछड़ेपन को दूर कर सकता है और भारत को विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बना सकता है। जुबली हिल्स में एक निजी कंपनी द्वारा शिक्षा क्षेत्र पर प्रकाशित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाज का विकास केवल शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने बताया कि सरकार इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए अगले 50 वर्षों की दृष्टि से काम कर रही है।

राधे राधे ग्रुप ने किया नित्य अन्नप्रसाद सेवा का आयोजन



हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप ने भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि और बाबा रामदेव जी के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया। यह सेवा

सुबह 7:01 बजे पब्लिक गार्डन (पिलर-1265), नामपल्ली और बेगम बाजार में गौशाला के पास स्थित पुल की माता के पास प्रदान की गई।

यह अन्नप्रसाद सेवा विशेष रूप से स्व. श्रीमती उर्मिलाजी धानुका की मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर श्री धानुका परिवार, दिल्ली द्वारा आयोजित की गई थी। इस पुण्य अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, रितेश गुप्ता, राजेश योग, पन्नालाल जी, सुनील भाई, अरुण भाई, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, तृप्ति अग्रवाल, आशीष, किशन पाल, सतीश गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगतराम गोयल और मनीष अग्रवाल शामिल थे।

पिती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 151वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैम्प बापूनगर में सम्पन्न 336 मरीजों ने उठाया निःशुल्क इलाज का लाभ, 15 को मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था



हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बट्टीविशाल पन्नालाल पिती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के संयुक्त तत्वावधान में दुर्गा माता गोल्डन टेम्पल लंगर हाउस के सहयोग से 151वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैम्प बापूनगर लंगर हाउस स्थित ब्रिलियेंट स्कूल में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में 336 से अधिक मरीजों ने विभिन्न विशेषज्ञ सेवाओं का निःशुल्क लाभ उठाया। अग्रवाल सेवा दल के अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,

शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट की ओर से जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी और 2डी इको, बीएमडी परीक्षण और बीपी जाँच और आरबीएस की सेवाएँ दी गईं। इस टीम में डॉ. हरि, डॉ. मबरूर, नर्सिंग स्टाफ स्वप्ना मैथिन, संगीता एवं मार्केटिंग के उदय कुमार ने अपनी सेवा प्रदान की। नेत्र चिकित्सा में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई अस्पताल, दोमलगुडा द्वारा नेत्र परीक्षण की व्यापक सेवा प्रदान की गई। 99 लोगों को निःशुल्क चश्मे प्रदान किए गए। 15 मरीजों के लिए मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। नेत्र विभाग में डॉ. श्रुति, डॉ. मेघना, विजयालक्ष्मी, राजू, थाहा और कैप कोऑर्डिनेटर यदागिरी ने सहयोग प्रदान किया। दंत चिकित्सा सेवा एसए-नआर डेंटल के डॉ. नवनीत राज द्वारा प्रदान की गई, जिससे मरीजों को व्यापक दंत स्वास्थ्य लाभ मिला। शिविर की सफलता में पिती ट्रस्ट के सीएमडी एवं अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद बी. पिती, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल

सेवा दल के सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल गणासरीया, उर्मिला अग्रवाल आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर में दुर्गा मंदिर स्वर्ण मंदिर, लंगर हाउस, हैदराबाद की बी. शांता देवी, डॉ. एस. जगन, एम. रोहिणी देवी, शोभा पांडे, रवि ठाकुर, प्रदीप सिंह, बी. ब्रिजेश्वर सिंह, बी. निवेश सिंह, बी. भरत सिंह, हर्ष प्रसाद, रोहित, विकास तिवारी का सराहनीय सहयोग रहा। शिविर की व्यवस्था में स्वयंसेवक विनोद अग्रवाल,

राधेश्याम बिजानी, गणेश चौधरी, सुरेश चौधरी, नारायण चौधरी, समाज-सेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, धनश्याम यादव और पिती नॉर्मिनेशन के सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया। यह 151वां मेगा मेडिकल कैम्प सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा की एक उत्कृष्ट मिसाल है। पिती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाने वाले ये शिविर समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं।

NKS GROUP
NEW HARIYANA FREIGHT CARRIERS
NHFC LOGISTICS
NHFC SPEEDSTER TRANS SOLUTIONS PVT. LTD.
NKS TRANS LOGISTICS
NKS INFRA DEVELOPERS
H. No. 5-4-1386, Plot No. 79, Narashimha Rao Nagar, Vanasthalipuram, Hyderabad - 70
Ph : 9346234105, 9346339829, 9346134105 email : newharyana@gmail.com

N. K. Singh (Chairman) & Senior Leader Congress
Nand Kishore Singh Director
Amarjeet Singh Director

30 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई श्री एन. के. सिंहजी CMD
(चयनपत्र प्राप्त भारतीय वारिक सेवा) वोट काउंस मे एवं दूरभाष पर 30 वर्ष से

MD. JAVED 9387090655, 7013278024
M.D.T. TRAILER SERVICE Transport Contractor Commission Agent Specialized in ODC Transport Chintalkunta, L.B. Nagar, Hyd - 74.
MD. SHAMSHUDDIN 9387090655, 9394703056
SRI TAMILNADU KERALA Transport Lorry & LCV Suppliers & Commission Agents Gagan Pahad, R.R. Dist., Hyderabad-77
S. Ramesh 938110412, 8121017527
RAMESH TRANSPORT CO. COMMISSION AGENTS DAILY SERVICE: BANGALORE, HOSUR Near Budhal Rly. Station, R.R. Dist., Hyd-77
A. HAREEZ 938110412, 8121017527
ANDHRA GUJARAT CARRIERS FLEET OWNERS TRANSPORT CONTRACTORS Nuthang, Patancheru - 502300
MD. AHMED 9705618020, 9396303052
MAHARASHTRA GUJARAT CARRIER Patancheru Mandal, Sangareddy Dist.
M. VIJAY KUMAR 92485 9505, 93468 24820
ALL INDIA CARGO CARRIER TRANSPORT CONTRACTOR & COMMISSION ESHER HAZRA ICM CENTER MATTOOSH CARGO Gagan Pahad, R.R. Dist., Hyderabad-23
MD. DASTAGER 9387090655, 7013278024
BARKAT TEMPO SERVICE DAILY SERVICE: ALL OVER GUJARAT & MAHARASHTRA Isnapoor, Patancheru - 502307
HARIKANTH RAJOLE 9866042690
ATHARVA ROADLINES Pillar No. 143, Attapur, R.R. Dist.
DYNESHWAR MAKAJI 9394545151, 9951829111
SHREENATH ROADLINES Dhundali Village, R.R. Dist.
G. NAGA SHETTY 8310351808, 7416519517
SHETTY ROAD LINES TRANSPORT CONTRACTOR & COMMISSION AGENT Isnapoor, Patancheru - 502307

सीरवी समाज ट्रस्ट जवाहरनगर बालाजी नगर में भादवा सुदी बीज महोत्सव भव्य रूप से सम्पन्न



हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जवाहरनगर, बालाजी नगर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट द्वारा श्री आईमां के 610वें अवतरण दिवस और 9वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। समाज के अध्यक्ष जयराम पंवार और सचिव हिरालाल चोयल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि रविवार, 24 अगस्त (भादवा सुदी एकम) को मंदिर

को फूल मालाओं और लाइटिंग से सजाया गया, साथ ही श्री आईमां का विशेष श्रृंगार किया गया। रात्रि 9:15 बजे से पूजा-अर्चना, साँची ज्योत प्रज्वलन और महाआरती के बाद जागरण का आयोजन हुआ। जागरण में हजारों नाथ धनला (पाली, राजस्थान) ने श्री आईमां के चरणों में भजनों के माध्यम से पुण्य अर्पित किए। इस दौरान बोलियों का विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सोमवार, 25 अगस्त (भादवा सुदी बीज) को

प्रातःकाल समाज बंधुओं ने श्री आईमाताजी के दर्शन कर श्रद्धा से पुष्प और श्रीफल भेंट किए। सुबह 10 बजे से महिला मंडल द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने नृत्य और गायन के माध्यम से उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित अतिथियों और बोलियाँ देने वाले समाज बंधुओं का विशेष सम्मान किया गया। कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी ने

आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। समाज बंधुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई, जिसमें सभी ने सपरिवार भाग लिया। कवरेज जागदीश सीरवी ने किया। अध्यक्ष जयराम पंवार ने समाज बंधुओं को बीज महोत्सव की शुभकामनाएँ दीं और तहदिल से आभार व्यक्त किया। सचिव हिरालाल चोयल ने बधाई और शुभकामनाओं के साथ धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 193वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

एनबीटी नगर में 375 लोगों ने उठाया निःशुल्क जांच का लाभ

हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा आयोजित 193वां विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर रविवार, 24 अगस्त को एनबीटी नगर स्थित सरकारी हाई स्कूल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर में 375 स्थानीय निवासियों ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच सेवाओं का निशुल्क लाभ उठाया।

मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि यह स्वास्थ्य शिविर गोपीनाथ एवं श्रीमती संतोष कुमारी अग्रवाल (बंजारा हिल्स, हैदराबाद) के सौजन्य से आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ भारत माता और श्री अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना से हुआ।

प्रयोजकों के सुपुत्र जयप्रकाश अग्रवाल ने भारत माता और श्री अग्रसेन महाराज के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप



प्रज्वलित किया। शिविर में निम्नलिखित विशेषज्ञों ने सेवाएं प्रदान की जिनमें- रेनोवा सेंचुरी हॉस्पिटल, बंजारा हिल्स के डॉक्टरों द्वारा रक्तचाप और शुगर टेस्ट, ईसीजी, 2डी इको, सीरम क्रिएटिनिन और प्रोटीन इन यूरिन, थायरॉइड परीक्षण, सामान्य रोग, हड्डी, महिला, बाल और

हृदय रोग संबंधी जांच शामिल थी। एलसीएच साधुराम हॉस्पिटल, दमालगुड़ा के नेत्र विशेषज्ञों ने आंखों की जांच की। 10 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की गई, जिनका निशुल्क ऑपरेशन अस्पताल में किया जाएगा। एशियन ईएनटी केयर सेंटर,

बेगमपेट - डॉ. छाया अंजनेयुल के नेतृत्व में नाक, गले और कान की जांच की। क्राउन डेंटल क्लिनिक के डॉ. कपिल बलदेव द्वारा दांतों की जांच की। डॉ. नेती स्किन हेयर नेल केयर क्लिनिक, पंजागुड़ा के डॉ. प्रशांत नेती द्वारा त्वचा संबंधी जांच की। श्री साई होम्यो क्लिनिक,

आबिड्स के डॉ. आई. राजलक्ष्मी द्वारा होम्योपैथिक उपचार किया गया।

वासवी फिजियोथेरेपी सेंटर, लकड़ी का पुल के डॉ. पी. रवि के नेतृत्व में फिजियोथेरेपी सेवा एवं एक्यूपंचर उपचार भी उपलब्ध कराया गया।

भवानी ग्रुप, इंद्रा नगर कॉलोनी के श्री अभिमन्यु अग्रवाल के नेतृत्व में मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

शिविर की सफलता में मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, सह संयोजक डॉ. कपिल बलदेव, अजय गुप्ता, संजय गुप्ता, अरुण विजयवर्गीय, जितेंद्र गोयल और स्थानीय सहयोगी रामलु का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समापन में मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल ने शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित पक्षों का धन्यवाद किया।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा का मासिक अन्नप्रसाद आयोजित

650 लोगों ने उठाया प्रसाद का लाभ, अग्रसेन हॉल में हुआ आयोजन



हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के तत्वावधान में प्रतिमाह के अनुसार मासिक अन्नप्रसाद का आयोजन गंज स्थित अग्रसेन हॉल के निकट किया गया। इस कार्यक्रम में 650 लोगों ने भगवान अग्रसेन महाराज का प्रसाद ग्रहण किया।

इस धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम में शाखा के प्रमुख पदाधिकारियों ने बह-चढ़कर सेवा की। कार्यक्रम के दौरान

शाखा के उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों ने अपनी निःस्वार्थ सेवा प्रदान की। अन्नप्रसाद के सफल आयोजन में उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सह मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य गोविंद नारायण मोदी, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, ओमप्रकाश पछेरिया, लाजपत राय गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, जितेंद्र गोयल का विशेष योगदान रहा।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा नियमित रूप से आयोजित होने वाले इस मासिक अन्नप्रसाद कार्यक्रम से समुदाय के सभी वर्गों के लोग लाभान्वित होते हैं। यह कार्यक्रम भगवान अग्रसेन महाराज की शिक्षाओं के अनुसार सेवा और सद्भावना की भावना को बढ़ावा देता है। गंज क्षेत्र में स्थित अग्रसेन हॉल के निकट आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अग्रवाल समाज, बंजारा सेंट्रल शाखा की सावन की सैर सम्पन्न



हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, बंजारा सेंट्रल शाखा ने रविवार, 24 अगस्त को शमशाबाद स्थित सिरिनी रिसोर्ट्स में अपनी सावन की सैर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा श्री अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसमें सदस्य परिवारों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इसे भव्यता प्रदान की।

रिसोर्ट में सदस्यों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की व्यवस्था की गई थी, जिसमें रेन डांस, स्वीमिंग पूल, इंडोर और आउटडोर गेम्स शामिल थे। इसके अतिरिक्त, आयोजकों ने आकर्षक उपहारों के साथ तम्बोला, संगीतमय कराओके का भी आयोजन किया, जिसका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने अपनी उपस्थिति से

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। शाखाध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल और केंद्रीय समिति के सदस्य रमेश अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। शाखा के महामंत्री मनीष कुमार अग्रवाल ने सभा को द्वारकाधीश धाम यात्रा के सफल समापन की जानकारी दी।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सी.ए. अरविंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष जयदीप गुप्ता, सह-मंत्री अश्विन अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य नवल किशोर सल, गोपाल दास अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, विनय गुप्ता, विजय गुप्ता, नवीन खंडेलिया, परामर्शदाता सुदर्शन दारुका, दिलिप अग्रवाल, सुभाष केडिया, वेदप्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुशील कुमार अग्रवाल सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे। अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ की बैठक जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा कार्यालय में हुई चर्चा

हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री तथा सिकंदराबाद के लोकप्रिय सांसद जी. किशन रेड्डी ने जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत बरकतपुरा स्थित बी.जे.पी. हैदराबाद शहर कार्यालय में हैदराबाद-सिकंदराबाद के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रमुख सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें- लव फॉर काउ फाउंडेशन, जैन माइनारिटी काउंसिल, श्री गुजराती प्रगति समाज हैदराबाद, श्री गुजराती सेवा मंडल, श्री हैदराबाद सिकंदराबाद गुजराती ब्रह्म समाज, रानीगंज मर्चेट वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा समाज सिकंदराबाद, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन और हैदराबाद सिकंदराबाद महेश्वरी समाज शामिल हैं। बैठक में पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, जसमत पटेल, रिद्धिशा जागीरदार, सतीश अग्रवाल, घनश्याम पटेल, दिनेश



गोसर, जनक ब्रह्मभट्ट, दिनेश लालगुरु, दिनेश निलकंठ, संजय भट्ट, मदनलाल अग्रवाल, रोशनलाल तायल, कमलेश जैन, गौतम जैन आदि प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। लव फॉर काउ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल ने फाउंडेशन द्वारा संचालित गोमाता के लिए प्रतिदिन एक रुपया दान योजना की जानकारी दी। उन्होंने गोमाता को राष्ट्र माता के पद पर प्रतिष्ठित कराने के संस्था के संकल्प पर ध्यान आकर्षित कर सहयोग की मांग की। रिद्धिशा जागीरदार ने केंद्रीय

मंत्री से हैदराबाद-सिकंदराबाद से भुज, गांधीधाम, नलिया (कच्छ क्षेत्र) के लिए सीधी रेल सेवा प्रारंभ कराने हेतु केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बातचीत करने का अनुरोध किया।

उन्होंने इस संदर्भ में कच्छी समाज की ओर से ज्ञापन देने के लिए आभार प्रकट किया। रिद्धिशा जागीरदार ने किशन रेड्डी से काचीगुड़ा स्थित जिनेश्वर धाम मंदिर में जारी पर्युषण महापर्व कार्यक्रम में पधारने का विशेष अनुरोध किया। श्री गुजराती सेवा मंडल के मानद सचिव

जनकभाई ब्रह्मभट्ट एवं श्री गुजराती प्रगति समाज हैदराबाद के सह सचिव घनश्याम पटेल ने केंद्रीय मंत्री को समाज की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। केंद्र सरकार एवं तेलंगाना भाजपा के माध्यम से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और समाज को इससे मिलने वाले लाभ पर गहन चर्चा की गई। दोनों गुजराती समाजों की ओर से केंद्रीय मंत्री से आगामी गणेश उत्सव कार्यक्रमों में पधारने का निवेदन भी किया गया। रानीगंज मर्चेट एसोसिएशन, हरियाणा समाज,

गुजराती ब्रह्म समाज एवं अन्य समाजों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी विभिन्न समस्याओं के प्रति केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकर्षित किया। किशन रेड्डी ने सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को नगर में मनाए जा रहे जैन धर्म के पावन पशुपुष्य महापर्व की शुभकामनाएं दीं एवं आगामी गणेश उत्सव के लिए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

उन्होंने कहा कि वह अपने क्षेत्र के हर कार्यकर्ता, हर समाज, हर वर्ग के साथ मिलकर उनकी हर समस्या के समाधान के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि यदि किसी को भी कोई समस्या हो तो वह उन्हें या प्रेम सिंह राठौड़ से अपनी समस्या के बारे में बता सकते हैं। उन्होंने अपनी ओर से हर संभव सहायता देने का विश्वास दिलाया।

बैठक के समापन में रिद्धिशा जागीरदार ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी एवं पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़ के प्रति आभार व्यक्त किया एवं भविष्य में भी समय-समय पर जनसंपर्क बैठकें करने का निवेदन किया।

श्री सहस्रफणा पार्श्वनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ, रसूलपुरा में महावीर जन्म वाचन महोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सहस्रफणा पार्श्वनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ, रसूलपुरा में भगवान महावीर स्वामी के जन्म का वाचन व महावीर जन्म महोत्सव का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर संघ की ओर से धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के जीवन और शिक्षाओं का स्मरण किया।

रमेश पी. तातेड की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम का शुभारंभ पावन आशीर्वाद से हुआ, जिसमें प. पू. भावतल्लाश्रीजी म.सा. सहित संघ के ठाणा - 08 की पावन छत्रछाया में भगवान महावीर स्वामी के जन्म की कथा का वाचन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर स्वामी का जन्मदिवस मनाते हुए उनके जीवन और आदर्शों का स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान, श्रीमती पुष्पाबेन



जैनरत्न रमेश पी. तातेड एवं उनके परिवार ने भागीदारी की और भगवानजी के मुनिमजी बनने तथा भगवान महावीर स्वामी को पालना जी में विराजमान करने

का सौभाग्य प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर संघ की ओर से चाँदी की गिरी की प्रभावना करने का लाभ भी प्राप्त किया। लाभार्थी परिवार ने इस मंगल अवसर पर

संघ और ट्रस्टीगण का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संघ के ट्रस्टीगण एवं पदाधिकारी संध्याध्यक्ष संघवी निर्मल कोठारी, मंत्री सुधीर आर. कोठारी, अशोक मेहता, प्रकाशमल भंडारी, संघवी रमण कोठारी, संघवी रविन्द्र कोठारी, मुकेश कोठारिया

एवं संघ के सदस्य दिलीप कोठारी, अविनाश भंडारी, सुरेश मेहता, विक्रम भंडारी, रितेश तातेड, तपन, मनीष, आदित्य, राज, केतन, रीना तातेड, हीया, जिनय, हरित एवं एतांश तातेड एवं समेत संघ उपस्थित था।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि संघ के अध्यक्ष संघवी निर्मल कोठारी, मंत्री सुधीर आर. कोठारी और मुकेश कोठारिया ने इस धार्मिक आयोजन का संचालन अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ किया, जिससे यह कार्यक्रम सफल और यादगार बना। पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं का उत्साह और धार्मिक भावना स्पष्ट झलक रही थी।

कमल उदवाडिया फाउंडेशन और भारत जोड़ो युवा अकादमी ने बाढ़ पीड़ितों को बांटे राशन किट



किनवट, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कमल उदवाडिया फाउंडेशन, मुंबई के आर्थिक सहयोग और भारत जोड़ो युवा अकादमी के अंतर्गत संचालित साने गुरुजी अस्पताल और अनुसंधान केंद्र की मदद से, शहर के 200 बाढ़ पीड़ितों को राशन किट वितरित किए गए। यह वितरण कार्यक्रम हाल ही में साने गुरुजी अस्पताल

के परिसर में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में अध्यक्षता पूर्व महापौर ईसाखान सरदारखान ने की। इस मौके पर पूर्व उपमहापौर गंगारखी बैनमवार, डॉ. वरखेड़े, पूर्व महापौर के. मूर्ति, एडवोकेट दिलीप काले, एडवोकेट वैद्य, प्रो. रामप्रसाद तौर, प्रो. डॉ. सुरेंद्र शिंदे और एडवोकेट मिलिंद सप्रे सहित कई गणमान्य व्यक्ति मंच पर उपस्थित

थे। कार्यक्रम की शुरुआत में साने गुरुजी अस्पताल के प्रमुख डॉ. अशोक बेलखोड़े ने प्रस्तावना प्रस्तुत की। इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. भायश्री बेलखोड़े, प्रोफेसर डॉ. शिवाजी गायकवाड़, डॉ. प्रगति पवार, मिलिंद कांबले, प्रणाली निकोडे, संजय बोलेनवार, नागेश देवताले और शेख रज़िक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पर्युषण महापर्व का छठवां दिन जप दिवस के रूप में मनाया गया

हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पर्युषण महापर्व के छठे दिन को श्रद्धालुओं ने जप दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया। साध्वी डॉ. गवेषणाश्री जी के सान्निध्य में राजाराजेश्वरी गार्डन में आयोजित इस पावन अवसर पर श्रावक परिवार द्वारा विविध प्रकार से आराधना की गई। उत्साह, उमंग और जप, तप की ऊर्जा से पूरा परिसर प्रफुल्लित और शक्तिमय दिख रहा था। साध्वी जी ने इस पावन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सभी धर्मों में मंत्र साधना की परंपरा रही है। उन्होंने मंत्र की तीन मुख्य शक्तियों-आत्म शक्ति, मंत्र शक्ति एवं इष्ट शक्ति-का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि मंत्र केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि संकल्पित चित्र की रचना है, जिसमें सूक्ष्म शरीर और साधक का एक रूप होना आवश्यक है। महामंत्र का महत्व बताते हुए कहा कि यह विविध शक्तियों का खजाना है, जो मन



को मजबूत बनाने और रोगी मन को स्वस्थ करने में सहायक है। विशेष रूप से, महामंत्र का वर्णन किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि गुणों का वर्णन है, जो मौलिकता और अलौकिकता से परिपूर्ण है। साध्वी श्री जी

ने जप दिवस पर पूरे परिषद को 13 घंटे का निरंतर जप करने का प्रेरणा भी दी। साध्वी मयंक प्रभा जी ने कहा कि मुनि का जीवन स्वभावतः निवृत्त रहता है, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर प्रवृत्ति का संचार होता है। उनका

कहना था कि संयम और तप की साधना ही आत्मा को परमात्मा की ओर ले जाती है। साध्वी मेरु प्रभा जी ने बताया कि वासना से उपासना, अहम से अहंम, भोग से योग की ओर जाने के अनेक मार्ग हैं, जिनमें एक है जप और साधना। इस शुभ अवसर पर, गंगाशहर, बीकानेर, उदासर, भीनासर, नोखा, नाल, देशनोक, रासीसर और भायनगर के श्रावक-श्राविकाओं ने गौरवमय मंगलाचरण प्रस्तुत किया। आज ही सिकंदराबाद के माननीय विधायक श्री गणेश जी भी साध्वी श्री जी के दर्शन हेतु पधारे। उन्होंने साध्वी जी से प्रेरणादायी विचार-विमर्श किया और आत्मिक संवाद से लाभान्वित हुए। विधायक महोदय ने साध्वी जी की तपस्या एवं त्यागमयी साधना की सराहना करते हुए समाज सेवा में सक्रिय सहयोग का संकल्प दोहराया। श्री जैन श्वेतांबर तैरापंथी सभा द्वारा इस कार्यक्रम में साहित्य का सम्मान भी किया गया। सभा के अध्यक्ष

श्री सुशील जी संचेती, मंत्री हेमंत संचेती, कोषाध्यक्ष मुकेश चौरडिया, पर्युषण व्यवस्था समिति के लक्ष्मीपत बैद, जैन सेवा संघ के उपाध्यक्ष विनोद संचेती, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल जी बैद और अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे। सभा के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल जी बैद ने सभी कार्यकर्ताओं का मंच से आभार व्यक्त किया और साध्वी श्री जी के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। महिला मंडल अध्यक्ष नमिता जी ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। महासभा सदस्य लक्ष्मीपत बैद ने सभी संस्थाओं से सूचनाएँ प्रेषित की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया, जिन्होंने श्रद्धा और भक्ति के साथ कार्यक्रम का आनंद उठाया। अंत में, साध्वी श्री जी के मंगल पाठ से इस पावन आयोजन का समापन हुआ।

कार्यक्रम का संचालन साध्वी दक्षप्रभाजी ने किया, जिन्होंने अनेक तपस्वियों के तपस्याओं का प्रत्याख्यान भी कराया।

शांति और सुरक्षा व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए : कांतिलाल



आसिफाबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, आईपीएस ने आज कोमुरम भीम आसिफाबाद में जिला पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने जिले में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में उपस्थित पुलिस अधिकारियों से संवाद करते हुए, पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रत्येक मामले की 'गुणवत्तापूर्ण जांच' कर अपराधियों को कड़ी सजा दिलाई जाए और पीड़ितों को न्याय मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि मामलों की जांच में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी पुलिस अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य करें। पुलिस अधीक्षक ने गश्ती दल और ब्लू कोल्ट्स वाहनों के साथ निरंतर गश्त करने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगामी गणेश नवरात्रि के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए सख्त सुरक्षा व्यवस्था अपनाने का सुझाव दिया। साथ ही, गणेश उत्सव समिति के सदस्यों को नियमों का पालन सुनिश्चित करने की सलाह दी और बताया कि शोभा यात्रा के दौरान डीजे प्रतिबंधित हैं, लकी ड्रां और लॉटरी जैसे आयोजनों पर भी रोक है, तथा इनका आयोजन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



उन्होंने यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए कठोर कदम उठाने और शोभा यात्रा के दौरान यातायात के कड़े इंतजाम करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, जिले के लंबित मामलों की व्यक्तिगत समीक्षा की और गांजा, मटका और जुआ जैसी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर विशेष निगरानी और सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। कांतिलाल पाटिल ने कहा कि जिले के प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, साथ ही नागरिकों में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाए जाएं। पुलिस विभाग को संपत्ति संबंधी मामलों में इस्तेमाल की जा रही तकनीकों का उपयोग अपराधियों की गिरफ्तारी और

संपत्ति की वसूली के लिए करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने साइबर अपराधों से जनता को बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और पीड़ितों की शिकायतों का तत्परता से समाधान करने का भी सुझाव दिया। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 'ब्लैक स्पॉट' चिह्नित कर संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का भी निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, मादक पदार्थ विरोधी और सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम आयोजित करने, महिला पुलिस को यातायात नियंत्रण टीम में शामिल करने और आगामी ग्राम पंचायत एवं मंडल स्तर के चुनावों के लिए तैयार रहने का आदेश दिया। यातायात में लापरवाही करने वालों, खासकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में आसिफाबाद के एसपी चित्तरंजन आईपीएस, कागजनगर के डीएसपी रामानुजम, डीसीआरबी के डीएसपी विष्णु मूर्ति, जिले के सीआई, एसएसआई और अन्य पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन



किनवट, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, माउंट आबू की ओर से अपनी पूर्व मुख्य प्रशासिका, राजयोगिनी डॉ. दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में, 22 से 25 अगस्त तक एक राष्ट्रव्यापी रक्तदान अभियान चलाया गया। इसी के तहत, किनवट के राजेंद्रनगर केंद्र में 25 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक एक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें 24 अनुयायियों ने रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथियों को तिलक लगाकर और सम्मानित करके किया गया। इस अवसर पर, बीके रेखा बहन ने केंद्र की गतिविधियों और रक्तदान अभियान के महत्व के बारे में जानकारी दी, जबकि बीके भास्कर भाई ने दादी प्रकाशमणि के जीवन और उनकी शिक्षाओं से सभी को अवगत कराया। इस शिविर का उद्घाटन पूर्व नगर अध्यक्ष के. मूर्ति अन्ना, अण्णा भाऊ शेलक, डॉ. सुनील राठोड़, केशवराव यमुलवार, तुषार आडे, मोहन चनमनवार, सागर मासाल और कामराज माडपेलीवार ने किया। आदिलाबाद की कलावती ब्लड बैंक से डॉ. अशोक और संजय बोलनवार के मार्गदर्शन में प्रियंका, आर्या, पूनम, श्रीकांत और आशीष की टीम ने रक्त संग्रह किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बीके भास्कर भाई ने बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इस महा-रक्तदान शिविर के माध्यम से गिनीज बुक में वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष नेमानीवार, राजू नारलावार, जयश्री नेमानीवार, बेबीताई वटमवार और लक्ष्मी बाई मिसलवार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कराया। इस शिविर का उद्घाटन पूर्व नगर अध्यक्ष के. मूर्ति अन्ना, अण्णा भाऊ शेलक, डॉ. सुनील राठोड़, केशवराव यमुलवार, तुषार आडे, मोहन चनमनवार, सागर मासाल और कामराज माडपेलीवार ने किया। आदिलाबाद की कलावती ब्लड बैंक से डॉ. अशोक और संजय बोलनवार के मार्गदर्शन में प्रियंका, आर्या, पूनम, श्रीकांत और आशीष की टीम ने रक्त संग्रह किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बीके भास्कर भाई ने बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इस महा-रक्तदान शिविर के माध्यम से गिनीज बुक में वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष नेमानीवार, राजू नारलावार, जयश्री नेमानीवार, बेबीताई वटमवार और लक्ष्मी बाई मिसलवार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आशा कार्यकर्ताओं ने 18,000 के निश्चित वेतन की मांग को लेकर किया धरना



आसिफाबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आशा कार्यकर्ता संघ (सीटू) के तत्वावधान में आशा कार्यकर्ताओं ने कोमराम भीम, आसिफाबाद जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी

विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। इस धरने में सीटू के राज्य कोषाध्यक्ष वांगुरी रामुलु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। धरने को संबोधित करते हुए वांगुरी रामुलु ने कहा कि आशा

कार्यकर्ताओं का वेतन काटने की नीति तुरंत वापस ली जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि वेतन में कटौती किए बिना पूरी राशि का भुगतान हमेशा की तरह समय पर किया जाए। उन्होंने केंद्र द्वारा बहाल गए वेतन, 18,000 रुपये का निश्चित वेतन और अन्य लंबित मुद्दों को तुरंत हल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 20 वर्षों से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) योजना के तहत काम कर रही आशा कार्यकर्ताओं पर काम का बोझ काफी बढ़ गया है, फिर भी सरकार का उनके प्रति रवैया उचित नहीं है।

शिक्षकों को शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए : वेंकटेश

आसिफाबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा है कि सरकारी स्कूलों में छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। सोमवार को उन्होंने रेबेना मंडल के कन्नदुल्ला ग्राम पंचायत में स्थित मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों, छात्रों, कक्षाओं, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और स्कूल के वातावरण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने शिक्षकों से कहा कि वे प्रतिदिन छात्रों की उपस्थिति की समीक्षा करें। अनुपस्थित रहने वाले छात्रों के अभिभावकों से बात करके उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए



प्रेरित करें कि उनके बच्चे नियमित रूप से स्कूल आएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार सभी सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बिजली, शौचालय और चारदीवारी जैसी बुनियादी सुविधाएं

उपलब्ध करा रही है। इसके साथ ही, मेनू के अनुसार पौष्टिक और स्वच्छ भोजन देकर छात्रों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

मध्याह्न भोजन में ताजी सब्जियों और गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का ही उपयोग किया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को गांव में चल रहे इंद्राम्मा आवासों के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने और उसकी निगरानी करने के निर्देश दिए ताकि यह कार्य जल्द से जल्द पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि नियमानुसार 600 वर्ग फुट का आवास बनाया जाए और लाभार्थियों के खातों में बिल जल्दी जमा किए जाएं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार इंद्राम्मा आवासों के निर्माण के लिए मुफ्त रेत उपलब्ध कराएगी और लाभार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। इस कार्यक्रम में रेबेना मंडल शिक्षा अधिकारी वेंकटेश, शिक्षक, छात्र और इंद्राम्मा आवासों के लाभार्थी उपस्थित थे।

कोवा लक्ष्मी का केंद्र एवं राज्य सरकार पर तीखा हमला, कहा

अगर आप शासन नहीं कर सकते तो इस्तीफा दे दीजिए

मंचेरियाल, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस विधायक कोवा लक्ष्मी ने किसानों के लिए यूरिया की कमी को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर तीखा हमला बोला है। आसिफाबाद में यूरिया की आपूर्ति में सरकारों की विफलता के विरोध में उन्होंने किसानों के साथ मिलकर प्राथमिक कृषि सहकारी समिति कार्यालय में एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। इस मौके पर बोलते हुए कोवा



लक्ष्मी ने मुख्यमंत्री रवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए सवाल किया, क्या वे यूरिया के लिए किसानों

की समस्याओं को देख या सुन सकते हैं? उन्होंने मांग की कि अगर रवंत रेड्डी शासन चलाने में

सक्षम नहीं हैं, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस सरकार के दौरान किसी भी किसान को यूरिया के लिए परेशान नहीं होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि किसानों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने का श्रेय केसीआर और बीआरएस सरकार को जाता है। कोवा लक्ष्मी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार एक कमजोर शासन चला रही है और पुराने दिनों की वापसी का वादा करके

किसानों को यूरिया के लिए कतारों में खड़ा होने पर मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि रवंत रेड्डी ने अपने वादों को पूरा किए बिना ही मंत्रियों से इस्तीफा मांगना शुरू कर दिया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार से सवाल किया, क्या आपको किसानों का गुस्सा दिखाई नहीं दे रहा है? उन्होंने मांग की कि सरकारें किसानों की परेशानियों पर ध्यान दें और फसलों के लिए जरूरी यूरिया तुरंत उपलब्ध कराएं।

भाजपा नेता ने कांग्रेस की चुनावी गारंटियों को लागू करने की मांग की



मंचेरियाल, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिला दांडेपल्ली मंडल में आज भाजपा नेता वेराबेली रघुनाथ ने कांग्रेस द्वारा चुनाव के दौरान किए गए वादों को लागू करने की मांग को लेकर एक विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन

एमआरओ कार्यालय के सामने आयोजित किया गया था, जिसमें क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। भाजपा नेता ने अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किसानों का 2 लाख रुपये का कर्ज माफ करने का वादा किया था, लेकिन वर्तमान में यह वादा पूरे

जिले में केवल कुछ ही किसानों तक सिमट कर रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह, बटाईदार किसानों को 12,500 रुपये प्रति वर्ष, और कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत सोने के सिक्के जैसे अनेक वादे भी किए, जो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। रघुनाथ ने इन वादों को पूरा करने की मांग के साथ ही तहसीलदार को एक याचिका भी सौंपी, जिसमें सिंचाई के पानी की समस्या का स्थानीय स्तर पर समाधान करने और उठा क्षेत्र में एक डिग्री कॉलेज स्थापित करने की मांग की गई।

वट्टी वागु परियोजना की नहर की मरम्मत की मांग



आसिफाबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में वट्टी वागु परियोजना की नहर क्षतिग्रस्त होने के कारण आसिफाबाद और रेबेना मंडलों के किसान सिंचाई के पानी की कमी से जूझ रहे हैं। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण परियोजना की मुख्य दाहिनी नहर उड़ के पास एक बड़ा गड्ढा बन गया है, जिससे धान की फसल को पानी नहीं मिल पा रहा है। इस समस्या को लेकर माकपा पार्टी की एक टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर क्षतिग्रस्त नहर का दौरा किया। इसके बाद, पार्टी और किसानों ने मिलकर प्रजावनी में जिला

कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कलेक्टर को डी4 नहर पुलिया की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि पानी की कमी के कारण धान की फसलें सूख रही हैं। ज्ञापन सौंपने के बाद, जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे दो-तीन दिनों के भीतर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बात करेंगे और डी4 नहर की पुलिया की मरम्मत करवाकर खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

इस दौरान, सीपीएम पार्टी के जिला सचिव कोटा श्रीनिवास,



मंचेरियाल, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के विधायक कोक्किल्ला प्रेम सागर राव का हाल

आसिफाबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक जिला महासचिव बोगे उपेंद्र ने आशा कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिए जाने की मांग की है। सोमवार को जिला कलेक्टर पर आयोजित आशा कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए उन्होंने यह बात कही। बोगे उपेंद्र ने कहा कि आशा कार्यकर्ता कम वेतन पर



गरीब और कमजोर वर्ग, विशेषकर गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर समाज

समाधान नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रवंत रेड्डी ने चुनाव के दौरान आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन दो साल गुजरने के बाद भी सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने मांग की कि आशा कार्यकर्ताओं को न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये दिया जाए, उन्हें ईएसआई, पीएफ जैसी

सुविधाएं और स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाए। बोगे उपेंद्र ने आगे कहा कि आशा कार्यकर्ता मानदेय नहीं, बल्कि स्थायी कर्मचारी बनना चाहती हैं और सरकार से इनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन मांगों को पूरा नहीं किया, तो आशा कार्यकर्ता अपने आंदोलन को और तेज कर देंगे।

राजस्थानी समाज ने विधायक कोक्किल्ला प्रेम सागर राव के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की



मंचेरियाल, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के विधायक कोक्किल्ला प्रेम सागर राव का हाल

ऑपरेशन के बाद वे अपने मंचेरियाल स्थित निजी आवास पर लौट आए हैं। विधायक के वापस आने की जानकारी मिलते ही राजस्थानी समाज के प्रवासी बंधुओं ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने विधायक के आवास जाकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और उन्हें बधाई दी। इस दौरान समाज के सदस्यों ने विधायक से बाजार और व्यापार से संबंधित हालचाल भी साझा किया।

यूरिया के लिए रात भर कतारों में सोने को मजबूर किसान



मंचेरियाल, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में यूरिया खरीदने के लिए किसानों का संघर्ष जारी है। यूरिया की कमी के कारण किसान रात-रात भर कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं। दुर्भाग्यवश एक प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (झ-उड) में यूरिया का नया स्टॉक आने

की खबर सुनकर कई किसान रविवार को रात में ही दुकान पर पहुंच गए और रात भर वहीं सोए। किसानों ने अपनी जगह पक्की करने के लिए कतारों में चप्पलें, बैग और अन्य सामान रख दिए और खुद जमीन पर चादरें बिछाकर रात बिताई। कुछ किसान तो अपने बच्चों को भी साथ लेकर आए थे, क्योंकि घर पर उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था। पूर्ववर्ती मेडक जिले में भी इसी तरह का नजारा देखने को मिला, जहां किसान केवल एक बोरी यूरिया पाने के लिए सुबह 5 बजे से ही दुकानों पर पहुंचने लगे थे। परेशान किसानों ने सरकार पर उनकी दुर्दशा को नजरअंदाज करने और यूरिया संकट का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने उस्मानिया विश्वविद्यालय को ऑक्सफोर्ड और स्टैनफोर्ड के समकक्ष विकसित करने का संकल्प लिया

हैदराबाद, 25 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य सरकार उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) को ऑक्सफोर्ड और स्टैनफोर्ड जैसे विश्व स्तरीय संस्थानों के मानकों पर विकसित करेगी।

विश्वविद्यालय परिसर में दुंदुभी और भीमा छात्रावास भवनों का उद्घाटन करने और एक डिजिटल पुस्तकालय और अध्ययन कक्षों की आधारशिला रखने के बाद, मुख्यमंत्री ने उस्मानिया विश्वविद्यालय को तेलंगाना शब्द का एक विकल्प बताया। उन्होंने कहा कि यह हमेशा राज्य में संघर्षों और बौद्धिक आंदोलनों में सबसे आगे रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव और अनुभवी सांसद जयपाल रेड्डी जैसे प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की विरासत को याद करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संस्थान ने तेलंगाना आंदोलन के दौरान एक निर्णायक भूमिका निभाई, जिसमें श्रीकांतचारी, यादिया, ईशान रेड्डी और वेणुगोपाल रेड्डी जैसे बुद्धिजीवी, कार्यकर्ता और शहीद पैदा हुए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पिछले दशक के शासन की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उस्मानिया विश्वविद्यालय को कमजोर करने की साजिश थी, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार इसकी पिछली महिमा को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमने पूरे राज्य में योग्य और प्रेरित कुलपतियों की नियुक्ति की है। हम चाहते हैं कि उस्मानिया विश्वविद्यालय बौद्धिक संपदा का केंद्र बने जो तेलंगाना समाज को प्रेरित करे।



शिक्षा दे सकता है। केवल शिक्षा ही आपका भाग्य बदल सकती है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विश्वविद्यालय के लिए एक विकास योजना तैयार करने के लिए इंजीनियरों की एक समिति बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, पूछें कि उस्मानिया विश्वविद्यालय के विकास के लिए क्या आवश्यक है, अनुमान लगाएं और उन्हें जमा करें। मैं यहां वापस आऊंगा, आर्ट्स कॉलेज में एक बैठक करूंगा, और धन स्वीकृत करूंगा, उन्होंने आश्वासन दिया। रेवंत रेड्डी ने सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से सरकार के खिलाफ गलत सूचना फैलाने के प्रयासों को खारिज करते हुए चेतावनी दी कि जो लोग तेलंगाना की प्रगति नहीं चाहते हैं, वे दीमक की तरह समाज को कमजोर कर रहे हैं।

उन्होंने एमएलसी प्रोफेसर कोडंडराम को फिर से मनोनीत करने का भी वादा किया, यह कहते हुए कि उनके खिलाफ पहले भी साजिशें रची गई थीं।

मुख्यमंत्री ने पुष्टि की, उस्मानिया विश्वविद्यालय के बिना, तेलंगाना राज्य का कोई अस्तित्व नहीं है। यह हमारे इतिहास के स्थायी गवाह के रूप में खड़ा रहेगा। इस कार्यक्रम में मंत्री अदलुदी लक्ष्मण, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, एमएलसी प्रोफेसर कोडंडराम, विधायक, एमएलसी, निगम अध्यक्ष, ओयू के कुलपति प्रोफेसर कुमार, आर्ट्स कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर काशिम, और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



सनथनगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सीनियर लीडर दयानंद का जन्मदिन समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता सपना गुप्ता, डिबीजन अध्यक्ष नरेश बंसी, अश्विनी, विनीत गुप्ता, वमसी श्रीनिवास, और लक्ष्मण सहित अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दयानंद को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके योगदान की सराहना की। इस आयोजन ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच एकता और उत्साह को और मजबूत किया।

भावभीनी श्रद्धांजलि



श्री गोपालजी अग्रवाल

(कार्यकारिणी सदस्य : अग्रवाल शिक्षा समिति)

आपके निधन से अग्रवाल शिक्षा समिति को अपूरणीय क्षति हुई है।

शिक्षा समिति के प्रति आपकी निष्ठा, समर्पण एवं अनवरत प्रयास सदैव स्मरणीय रहेंगे।

परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं परिजनों को धैर्य प्रदान करें।

— श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता —

अध्यक्ष : प्रमोद कुमार केड़िया

वरिष्ठ उपाध्यक्ष : मोहन अग्रवाल चैयमैन ट्रस्ट बोर्ड : डॉ. श्यामसुन्दर मैनेजिंग ट्रस्टी : डॉ. मोहन गुप्ता

उपाध्यक्ष : रविन्द्रकुमार अग्रवाल मानद मंत्री : CA नवीन कुमार अग्रवाल सह मंत्री : राजेश कुमार नरेडी, राजेश कुमार अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य : डॉ. ओमप्रकाश अग्रवाल, डॉ. महेश कुमार केड़िया, शिवशंकर अग्रवाल, मनीष कुमार अग्रवाल, शेष कुमार गोयल, मुकुन्दलाल अग्रवाल, बट्टीविशाल बंसल, महेश कुमार अग्रवाल, संजय कुमार संधी, प्रदीप कुमार, रितेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, आशीष कुमार अग्रवाल

ट्रस्टीगण : गोविन्द कुमार, करोड़ीमल अग्रवाल, बजरंगप्रसाद गुप्ता, रतन गुप्ता

एवं समस्त स्टॉफ मेम्बर्स

अग्रवाल शिक्षा समिति

चारकमान, हैदराबाद (तेलंगाना) फोन : 7989100295



हार्दिक श्रद्धांजलि



स्व. श्री गोपाल जी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमल जी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार, दि. 22.08.2025

बहुत ही दुःखद समाचार

परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि स्व. श्री गोपाल जी भाई की आत्मा को मोक्ष प्रदान कर अपने चरणों में स्थान दें और उनके परिवारजन को इस दुःख की घड़ी में धैर्य प्रदान करें। स्मृतिपुत्र रूपी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :-

अरुणा गुप्ता

(माधुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की केंद्रीय केबिनेट गवर्नर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष हैदराबाद)

मानव अधिकार प्रोटेक्शन एवं राष्ट्रीय चेतना सेवा समिति की तेलंगाना प्रदेश की अध्यक्ष

विनम्र श्रद्धांजलि



स्व. श्री गोपाल जी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमल जी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार, दि. 22.08.2025

दिल से स्नेह आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको।।
इस दुनिया से चले गये आप, दिलों से नहीं जा पाओगे।
चाहे जिस भव में रहो आप, हम सभी को याद आओगे।।

अश्रुपूर्ण नयनों से प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें —

—: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता —:

नरेश अग्रवाल, अंकुश अग्रवाल

श्याम सुंदर नरेश अग्रवाल (मलकपेट)

Naresh Agencies (Gowliguda)

श्रद्धा

सुमन

स्व. श्री गोपाल जी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमल जी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार, दि. 22.08.2025

आँखों में आँसू है, दिल में आप।
यादों के उपवन में महकते रहेंगे आप।
प्रभु के चरणों में मिले जगह आपको।
भूले से भी ना भूला पायेंगे आपको।

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :-

जिग्नेश दोशी

अध्यक्ष: गुजराती सोशल टेलिफेयर सोसायटी

अध्यक्ष : तेलंगाना गुजराती समाज

ट्रस्टी : श्री स्थानकवासी जैन संघ (जैन भवन) रामकोट